राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 02 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-194 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूर्वी अफगानिस्तान में भूकंप से

दिखा तबाही का मंजर

● गांव के गांव बर्बाद, कम से कम 800 लोगों की मौत, 2500 घायल

रविवार को 6 तो सोमवार को फिर 4.6 तीव्रता का भूकंप आया

काबुल (एजेंसी)। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, रात 11.47 बजे आए 6.0 तीव्रता के भूकंप का केंद्र नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर से 27 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व में था। यह महज आठ किलोमीटर की गहराई में था। कम तीव्रता वाले भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं।

लगभग पूरा गांव ही तबाह हो गया- कुनार के सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में से एक नूरगल जिले के एक निवासी ने बताया कि लगभग पूरा गांव ही तबाह हो गया है। बच्चे मलबे के नीचे हैं। बुजुर्ग मलबे के नीचे हैं। युवा मलबे के नीचे हैं। हमें मदद की जरूरत है। हमें लोगों की जरूरत है, जो यहां आकर हमारी मदद करें। आइए हम दबे हुए लोगों को बाहर निकालें। कोई भी ऐसा नहीं है, जो आकर मलबे के नीचे से शवों को निकाल सके।

● भारत हर संभव मानवीय सहायता और राहत प्रदान करने के लिए तैयार है: पीएम मोदी

● **हताहतों की संख्या में बढ़ोतरी की आशंका-** स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत जमान ने बताया कि बचाव अभियान जारी है। कुनार, नंगरहार और राजधानी काबुल से चिकित्सा दल इलाके में पहुंच गए हैं। जमान ने कहा कि कई इलाकों से हताहतों की संख्या की सूचना नहीं मिल पाई है। मौतों और घायलों की सूचना मिलने पर संख्या में बढ़ोतरी की आशंका है।

● **7 अक्टूबर को 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था-** इससे पहले 7 अक्टूबर, 2023 को अफगानिस्तान में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसके बाद तेज झटके भी आए। तालिबान सरकार का अनुमान था कि इस दौरान कम से कम 4,000 लोग मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र ने मृतकों की संख्या काफी कम लगभग 1,500 बताई थी।

बेंगलुरु में लिव-इन पार्टनर को जिंदा जलाया

● आरोपी ने सिग्नल पर कार रुकवाकर पेट्रोल छिड़का

● महिला भागी तो पीछा किया, और फ्यूल डालकर आग लगाई

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु में लिव-इन पार्टनर को जिंदा जलाकर हत्या का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आरोपी ने पहले कार सवार लिव-इन पार्टनर का पीछा किया। फिर सिग्नल पर गाड़ी रुकवाकर पेट्रोल छिड़क दिया। घटना शनिवार की है। कार में कुल तीन लोग सवार थे। महिला कार से निकलकर भागी तो आरोपी ने उसका पीछा किया। उस पर और पेट्रोल डाला और लाइटर से उसे आग लगा दी। महिला 60 फीसदी झुलस चुकी थी।

अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान 50 साल के विट्ठल के रूप में हुई है। वह एक कैब ड्राइवर और शराब पीने का आदी था। मृतक महिला का नाम वनजाक्षी था। वह 35 साल की थी। दोनों लगभग चार साल पहले लिव-इन रिलेशनशिप में आए थे।

शराब की लत-उत्पीड़न से परेशान थी वनजाक्षी- विट्ठल पहले तीन बार शादी कर चुका था। वनजाक्षी भी लिव-इन में आने से पहले दो बार शादी कर चुकी थी। वह हाल ही में विट्ठल के शराब की लत और बार-बार उत्पीड़न से परेशान होकर उससे अलग हो गई थी। वनजाक्षी की मरिअप्पा नामक एक अन्य व्यक्ति के साथ भी दोस्ती भी हो गई थी।

पटना में वोटर अधिकार यात्रा का समापन

● एटम बम से बड़ा हाइड्रोजन बम ला रहे, मोदीजी मुंह नहीं दिखा सकेंगे : राहुल गांधी

पटना (एजेंसी)। बिहार में 16 दिन चली राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा सोमवार को पटना में खत्म हुई। राहुल ने साढ़े 3 घंटे पटना में वोटर अधिकार मार्च निकाला। गांधी मैदान में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सुबह 11 बजे मार्च की शुरुआत हुई जो हाईकोर्ट के पास अंबेडकर मूर्ति पर माल्यार्पण कर खत्म हुई।

इससे पहले राहुल-तेजस्वी के मार्च को डाकबंगला चौराहे पर रोक दिया गया। यहां जनसभा हुई। इसके लिए पहले से मंच तैयार था। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा, ' एनडीए' के लोग वोट चोरी कर जीत रहे। महाराष्ट्र में भी ये वोट चोरी कर जीते। देश ही

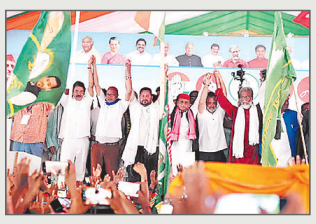

नहीं चीन में भी लोग बोल रहे हैं, वोट चोर, गद्दी छोड़। वोटर अधिकार यात्रा में बीजेपी के लोग काले झंडे दिखा रहे हैं। बीजेपी के लोग सुन लें, एटम बम से बड़ा हाइड्रोजन बम होता है, वो आ रहा है।

पति-पत्नी के बीच रोज सो जाती है सास

● गृहस्थी संवरने में लगा ग्रहण तो सीधे थाने पहुंची महिला ● सास पर बहू के साथ गलत हरकत करने का आरोप

गाजियाबाद (एजेंसी)। मोदीनगर निवासी एक युवती ने दहेज की मांग पूरी न होने पर सास पर दंपती के बीच में सोने का आरोप लगाया है। बीते साल युवती की शादी मार्च में सिहानी गेट थानाक्षेत्र निवासी युवक से हुई थी।

आरोप है कि शादी के बाद तीन लाख रुपए और स्विफ्ट डिजायर कार की मांग पूरी न होने पर दोनों के बीच सास उनके बेड पर सोने लगी। विवाद बढ़ने के बाद हालात नहीं संभल पाए।युवती ने पुलिस को शिकायत देकर दहेज की मांग, उत्पीड़न और ससुर पर छेड़खानी का आरोप लगाते हुए महिला थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

पीड़िता ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि उसकी शादी सिहानी गेट थानाक्षेत्र निवारसी युवक से बीते वर्ष मार्च में हुई थी। युवक गुरूग्राम स्थित एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करता है।

हत्या के प्रयास का आरोप भी लगाया

पीड़िता के अनुसार इसी वर्ष फरवरी में एक रात पति ने चुन्नी से गला दबाकर जान लेने की कोशिश की, लेकिन वह किसी तरह बच निकली। इसके बाद दबाव बनाकर खाली कागजों पर जबरन हस्ताक्षर कराए और बच्ची के साथ उसे मायके छोड़ दिया गया। धमकी दी गई कि यदि पुलिस या कोर्ट में शिकायत की तो उसे और उसकी बेटी को जान से मार दिया जाएगा।

पीड़िता की शिकायत पर विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच कराई जा रही है। जांच के बाद मामले में कार्रवाई की जाएगी।

- धवल जायसवाल, डीसीपी सिटी

एससीओ के संयुक्त घोषणापत्र में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र

● सभी देशों ने कायराना हरकत की निंदा की, आतंकवाद के खिलाफ भारत की बड़ी जीत

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में एससीओ समिट के दूसरे दिन भारत को बड़ी सफलता मिली है। घोषणापत्र में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की गई है। इस दौरान पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ भी मौजूद थे। घोषणा पत्र में कहा गया कि इस हमले के अपराधियों, आयोजकों और उन्हें समर्थन देने वालों को सजा दिलाना जरूरी है।

इस साल 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

गौरतलब है कि इससे पहले जून में हुई रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान एससीओके घोषणापत्र में पहलगाम हमले का जिक्र भी नहीं था। इसे लेकर भारत ने नाराजगी जताई थी। साथ ही इस पर साइन करने से इनकार कर दिया था।

मोदी बोले- कुछ देशों को आतंकवाद के खुले समर्थन की छूट क्यों- इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन दौरे आखिरी दिन एससीओ की बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद को दुनिया के लिए खतरा बताया। उन्होंने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए इसे आतंकवाद का सबसे बुरा रूप बताया। मोदी ने कहा कि भारत आतंकवाद को पिछले चार दशकों से झेल रहा है। पीएम ने सवाल उठाया कि कुछ देशों का आतंकवाद को खुला समर्थन कैसे स्वीकार किया जा रहा है।

मोदी ने पुतिन-जिनपिंग से द्विपक्षीय बातचीत की

सम्मेलन के इतर पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से सोमवार को द्विपक्षीय बातचीत की, जिसमें ऊर्जा, व्यापार और रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाने पर सहमति बनी।

स्थायी शांति का रास्ता निकालना जरूरी : पुतिन से मुलाकात के दौरान मोदी ने कहा कि भारत और रूस लगातार यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने हालिया शांति प्रयासों का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि सभी पक्ष रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ेंगे। मोदी ने कहा कि संघर्ष को जल्द खत्म कर स्थायी शांति का रास्ता निकालना जरूरी है, यह पूरी मानवता की मांग है।

मुश्किल हालात में भी साथ रहे भारत-रूस

पुतिन से बैठक में मोदी ने कहा कि भारत और रूस हमेशा कठिन परिस्थितियों में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं। मोदी ने कहा कि दोनों देशों का घनिष्ठ सहयोग न सिर्फ भारत और रूस की जनता के लिए, बल्कि वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है।

पीएम मोदी-पुतिन के बीच कार में 45 मिनट सीक्रेट बातचीत हुई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सोमवार को चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के बाद अपनी द्विपक्षीय बैठक के लिए एक ही वाहन में निकले। इस तस्वीर ने दुनियाभर का ध्यान खींचा है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने के लिए ही भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में रूसी नेता के साथ अपनी तस्वीर शेयर करते हुए कहा कि एससीओ शिखर सम्मेलन स्थल पर कार्यवाही के बाद, राष्ट्रपति पुतिन और मैं अपनी द्विपक्षीय बैठक स्थल पर एक साथ गए। उनके साथ बातचीत हमेशा ज्ञानवर्धक होती है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान रूस के राष्ट्रपति पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान करीब 45 मिनट तक कार में बैठकर गोपनीय बातचीत भी की।

प्रधानमंत्री मोदी का 10 मिनट तक इंतजार किया पुतिन ने- मीडिया सूत्रों के हवाले से कहा है कि, पुतिन ने खुद करीब 10 मिनट तक प्रधानमंत्री मोदी का इंतजार किया और दोनों नेता साथ-साथ होटल तक गए। यहां तक कि गंतव्य तक पहुंचने के बाद भी वे कार में ही काफी देर तक बातचीत करते रहे। यह सिर्फ दोनों नेताओं के बीच की दोस्ती का प्रतीक भर नहीं है, बल्कि माना जा रहा है कि पुतिन और मोदी ने साफ-साफ शब्दों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सख्त संदेश भेजा है।

उत्तर भारत राज्यों में बारिश से हालात खराब

● हिमाचल के शिमला में लैंडस्लाइड, 4 की मौत ● पंजाब-हरियाणा में 50 एकड़ में खड़ी फसल डूबी ● अब तक 1312 गांव बाढ़ की चपेट में ● उत्तराखंड में चार धाम यात्रा 5 सितंबर तक स्थगित

देहरादून/श्रीनगर/चंडीगढ़ (एजेंसी)। उत्तर भारत के हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश से हालात खराब हैं। पंजाब के 9 जिलों फाजिल्का, फिरोजपुर, कपूरथला, पठानकोट, तरनतारन, होशियारपुर, मोगा, गुरदासपुर और बरनाला में बाढ़ के हालात हैं। अब तक 1312 गांव बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं।

हिमाचल में रविवार से तेज बारिश हो रही है। शिमला के कोटखाई, जुब्बल और जुन्गा में देर रात लैंडस्लाइड से 4 लोगों की मौत हो गई। कुल्लू समेत 10 जिलों में सोमवार को स्कूल-कॉलेज बंद हैं। चंडीगढ़-मनाली फोरलेन सहित 5 नेशनल हाईवे और करीब 800 सड़कें बंद पड़ी हैं।

उत्तराखंड में केदारनाथ नेशनल हाईवे पर सोमवार को लैंडस्लाइड के बाद दो यात्रियों की मौत और छह लोग घायल हो गए। रेड और ऑरेंज अलर्ट के बाद चार धाम और हेमकुंड साहिब यात्रा 5 सितंबर तक स्थगित कर दी गई है। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में लैंडस्लाइड के कारण 12 घर टूट गए।

हरियाणा में यमुनानगर, सिरसा, पंचकूला समेत 6 जिलों में भी बाढ़ जैसे हालात हैं। सिरसा में देर रात 2 मकानों की दीवारें गिर गईं। यहां एक नहर टूटने से 50 एकड़ में खड़ी फसल पानी में डूब गई। सोमवार सुबह हथिनीकुंड बैराज से 29,313 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिसके बाद यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है।

● **हथिनीकुंड बैराज से 29,313 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, दिल्ली में बाढ़ का अलर्ट-** सोमवार सुबह हथिनीकुंड बैराज से 29,313 क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर आ गया है। दिल्ली सरकार ने बाढ़ का अलर्ट जारी किया है।

● **पंजाब के मानसा में कच्चे मकान की छत गिरी, चाचा-भतीजे की मौत-** मानसा में देर रात कच्चे मकान की छत गिर गई। इस हादसे में बलजीत सिंह (35) और उनके 10 वर्षीय भतीजे गुरजोत सिंह की मौत हो गई। जालंधर और लुधियाना के कई इलाकों में 4 फीट तक पानी भर चुका है। भाखड़ा डैम के गेट 4 फीट तक खोले गए। अमृतसर के घोनेवाला में धुस्सी बांध टूटने से आसपास का 15 किमी का इलाका बाढ़ की चपेट में आ गया है।

नौकरी में रहने के लिए टीचरों को टीईटी क्वालीफाई जरूरी

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- ऐसा न करने पर इस्तीफा दें या रिटायरमेंट लें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार 1 सितंबर को निर्देश दिया है कि अब टीचिंग सर्विस से जुड़े सभी शिक्षकों को अपनी सर्विस में बने रहने या प्रमोशन पाने के लिए टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी टीईटी पास करना जरूरी होगा।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा- जिन टीचर्स की नौकरी को 5 साल से ज्यादा बचे हैं, उन्हें टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) क्वालीफाई करना जरूरी होगा। अगर ऐसा नहीं किया तो उन्हें इस्तीफा देना होगा या फिर कंपल्सरी रिटायरमेंट लेना होगा। हालांकि बेंच ने ऐसे टीचर्स को इससे राहत दी है, जिनकी सर्विस में 5 साल ही बचे हैं।

बिहार में वोटरलिस्ट में नाम जुड़वाने की डेडलाइन नहीं बढ़ेगी, याचिका खारिज की - सुप्रीम कोर्ट ने बिहार की मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) मामले में सोमवार को सुनवाई की। इस मामले में कोर्ट ने समय सीमा बढ़ाने की मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। हालांकि, चुनाव आयोग ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि 1 सितंबर की डेडलाइन के बाद भी जमा किए गए दावे और आपत्तियों पर विचार किया जाएगा। दरअसल, बिहार में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पर दावे और आपत्तियां दर्ज करने की समय सीमा 1 सितंबर तय थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विश्व नारियल दिवस - मानव स्वास्थ्य, संस्कृति और वैश्विक समृद्धि का प्रतीक

विश्व नारियल दिवस 2 सितंबर 2025-

(लेखक - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी)

वैश्विक स्तरपर प्रकृति ने मानव को अनेक उपहार दिए हैं, जिनमें पेड़-पौधे, फल-फूल और जल हमारे अस्तित्व का आधार हैं। इन्हीं उपहारों में नारियल एक ऐसा फल है जिसे जीवन वृक्ष कहा जाता है। यह केवल एक खाद्य पदार्थ ही नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवन के लिए उपयोगी संसाधन है। नारियल का पेड़, उसका फल,जटा, पत्तियाँ, लकड़ी,सब कुछ मानव सभ्यता को पोषण, आश्रय, औषधि और रोजगार प्रदान करता है।आज मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह बातें इसलिए कर रहा हूं क्योंकि नारियल के महत्व को रेखांकित करने के लिए हर वर्ष 2 सितंबर 2025 को विश्व नारियल दिवस मनायाजा रहा है। 2009 में एशिया-प्रशांत नारियल समुदाय के गठन के बाद से इस दिवस की शुरुआत हुई। यह संगठन विश्व के उन देशों का प्रतिनिधित्व करता है जहाँ नारियल की खेती बड़े पैमाने पर होती है। आज विश्व नारियल दिवस केवल एक कृषि पर्व नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य, संस्कृति, पर्यावरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़ा एक आंदोलन बन चुका है।नारियल दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य नारियल उत्पादकों और उपभोक्ताओं को जोड़ना, किसानों को सशक्त बनाना और सतत विकास के मार्ग पर आगे बढ़ना है। एपीसीसी का गठन 2 सितंबर 2009 को इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में हुआ था। इसमें भारत, श्रीलंका, फिलीपींस, इंडोनेशिया, थाईलैंड, वियतनाम, मलेशिया, पापुआ न्यू गिनी और फिजी जैसे देश शामिल हैं।यह संगठन किसानों को आधुनिक खेती तकनीक, फसल संरक्षण, अनुसंधान और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुँच प्रदान करने में सहायक है।विश्व स्तरपर लगभग 12 करोड़ किसान परिवार नारियल की खेती पर निर्भर हैं।फिलीपींस, इंडोनेशिया और भारत मिलकर विश्व का लगभग 70 पर्सेंट नारियल उत्पादन करते हैं। नारियल तेल, कोयर, फर्नीचर, सौंदर्य प्रसाधन, औषधियाँ और पेय पदार्थ अरबों डॉलर के वैश्विक व्यापार का हिस्सा हैं, जो दर्शाता है कि नारियल केवल एक स्थानीय फसल नहीं बल्कि एक वैश्विक वस्तु है।

साथियों बात अगर हम भारत में नारियल को केवल एक फल नहीं बल्कि श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक मानने की करें तो, इसे श्रीफल कहा जाता है,जिसका अर्थ हैसमृद्धि देने वाला फल।भारतीय धार्मिक परंपराओं में बिना नारियल के कोई भी पूजा पूर्ण नहीं मानी जाती। गणेश पूजा में नारियल अनिवार्य होता है, क्योंकि यह विघ्नहर्ता के आशीर्वाद का प्रतीक है।दक्षिण भारत में विवाह, गृहप्रवेश और मंदिरों की पूजा में इसका विशेष महत्व है। बौद्ध और जैन धर्म में भी नारियल को पवित्रता और शांति का प्रतीक माना गया है।नारियल के कठोर खोल को अहंकार और वासनाओं का प्रतीक माना जाता है, जिसे फोड़ने पर शुद्ध गूदा और जल प्राप्त होता है। यह आत्मा की पवित्रता और ईश्वर से एकत्व का प्रतीक है।मंदिरों में नारियल चढ़ाने की परंपरा केवल भारत तक सीमित नहीं है। नेपाल, श्रीलंका, थाईलैंड और बाली (इंडोनेशिया) जैसे देशों में भी यह परंपरा देखने को मिलती है। दक्षिण भारत के मंदिरों में नारियल फोड़ना आत्मसमर्पण का प्रतीक है और इससे जुड़े छोटे-छोटे कारोबार हजारों लोगों को रोज़गार भी उपलब्ध कराते हैं। बौद्ध भिक्षु प्रार्थना के समय नारियल जल अर्पित करते हैं। इस प्रकार, नारियल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से लोक और परलोक दोनों से जुड़ा हुआ है और यह कई देशों की आध्यात्मिक परंपराओं में गहराई से समाया हुआ है।

साथियों बात अगर हम नारियल का वृक्ष कल्पवृक्ष कहलानें की करें तो,क्योंकि इसका कोई भी हिस्सा बेकार नहीं जाता। फल से हमें जल और गूदा मिलता है, जो पोषण और ऊर्जा का स्रोत है। गूदे से निकाला गया नारियल तेल बालों, त्वचा और भोजन के लिए औषधि के रूप में उपयोग होता है।जटा से रस्सी, चटाई, कालीन, ब्रश और गद्दे बनाए जाते हैं। पत्तियों का प्रयोग झोपड़ी, टोकरियाँ और सजावटी वस्तुएँ बनाने में होता है, जबकि तना फर्नीचर, पुल और नाव बनाने के लिए उपयुक्त है। जड़ें औषधि और रंगाई में प्रयोग की जाती हैं। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नारियल को ट्री ऑफ़ लाइफ यानें जीवन का वृक्ष कहा जाता है। साथियों बात अगर हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण से नारियल को देखने की करें तो विज्ञान की दृष्टि से भी नारियल एक नेचुरल सुपरफॉड है।इसमें विटामिन बी,सी और ई प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। पोटेशियम,कैल्शियम,मैग्नीशियम और आयरन जैसे खनिज शरीर को ऊर्जा और मजबूती प्रदान करते हैं। इसमें प्रोटीन और फाइबर भी अच्छी मात्रा में उपलब्ध हैं।नारियल जल को प्राकृतिक और्स कहा जाता है, जो शरीर को हाइड्रेट करता है और गर्मी या बीमारी के दौरान ऊर्जा देता है। हृदय और किडनी रोगों में यह विशेष रूप से लाभकारी है। नारियल तेल एंटीवायरल और एंटीबैक्टीरियल गुणों से युक्त है और मधुमेह तथा रक्तचाप नियंत्रित करने में सहायक है।आधुनिक शोध बताते हैं कि नारियल का प्रयोग वजन घटाने, डिटॉक्स और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए किया जा सकता है। यही कारण है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन और आयुर्वेद दोनों ने नारियल को स्वास्थ्य के लिए अमृत समान माना है।

साथियों बात अगर हम नारियल वृक्ष की आयु और उत्पादनक्षमता के लिए भी अद्वितीय होने की करें तो,यह 60 से 80 फीट तक ऊँचा होता है और लगभग 70 से 80 वर्षों तक जीवित रहता है। करीब 15 वर्षों के बाद इसमें नियमित रूप से फल लगना शुरू होता है और एक पेड़ अपनी आयु में हजारों नारियल देता है। यह दीर्घायु वृक्ष किसानों को पीढ़ियों तक आय देता है और उन्हें स्थिरता प्रदान करता है। इसी कारण इसे गरीब का वृक्ष (पुवर मैन्स ट्री) कहा जाता है क्योंकि यह हर वर्ग को लाभ पहुँचाता है।

साथियों बात अगर हम नारियल उद्योग वैश्विक मूल्य श्रृंखला का हिस्सा होने की करेंतो,फिलीपींस नारियल तेल का सबसे बड़ा निर्यातक है, जबकि इंडोनेशिया उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान पर है। भारत तीसरे स्थान पर है और घरेलू खपत में सबसे आगे है। श्रीलंका कोयर उद्योग के लिए प्रसिद्ध है। विश्व नारियल बाजार का आकार 2024 में लगभग 12 अरब डॉलर था और 2030 तक इसके 20 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना है।अमेरिका यूरोप और जापान में नारियल पानी और ऑर्गेनिक नारियल तेल की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिससे यह उद्योग और अधिक वैश्विक बनताजा रहाहै।

साथियों बात अगर हम नारियल वृक्ष केवल भोजन और व्यापार ही नहीं, बल्कि पर्यावरण और समाज के लिए भी महत्वपूर्ण होने की करें तो,यह समुद्र किनारे मिट्टी का क्षरण रोकते हैं और तटीय सुरक्षा प्रदान करते हैं। एक नारियल वृक्ष सालाना लगभग 30-35 किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड सोखता है, जिससे पर्यावरण को शुद्ध बनाने में मदद मिलती है। यह विश्वभर में लगभग 6 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से रोज़गार देता है। गरीब किसानों की जीवनरेखा कहे जाने वाले इस वृक्ष ने करोड़ों लोगों को स्थायी जीविका दी है।फिर भी

नारियल खेती पर जलवायु परिवर्तन का गहरा प्रभाव पड़ रहा है। समुद्र स्तर में वृद्धि से तटीय नारियल बागान डूबने लगे हैं। सूखा और अनियमित वर्षा से उत्पादन घट रहा है। कीट और रोगों की संख्या बढ़ी है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए एफएओ और एपीसीसी मिलकर नई किस्मों पर शोध कर रहे हैं।भारत ने केंद्रीय नारियल अनुसंधान संस्थान बनाया है, जबकि श्रीलंका और फिलीपींस ने कोयर और नारियल तेल आधारित उद्योगों में नवाचार को बढ़ावा दिया है।विश्व नारियल दिवस हमें यह याद दिलाता है कि नारियल केवल एक फल नहीं बल्कि भविष्य की सतत जीवन शैली का आधार है। ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देकर, किसानों को तकनीक और बाजार तक पहुँच प्रदान करके और नारियल आधारित ग्रीन उद्योग विकसित करके हम इस वृक्ष की क्षमता को और अधिक बढ़ा सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना भी आवश्यक है, ताकि छोटे किसान भी वैश्विक बाजार से लाभान्वित हो सकें।

साथियों बात अगर हम नारियल का वृक्ष केवल एक पौधा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता का सहारा होने की करें तो,यह धर्म में श्रद्धा, संस्कृति में पहचान, विज्ञान में औषधि और अर्थव्यवस्था में उद्योग का आधार है। विश्व नारियल दिवस 2025 हमें यह संदेश देता है कि हमें इस जीवन वृक्ष की रक्षा करनी है और इसे मानवता की समृद्धि के लिए आगे बढ़ाना है। यदि विश्वभर के देश मिलकर नारियल उत्पादन, अनुसंधान और सतत विकास की दिशा में काम करें तो यह वृक्ष आने वाली पीढ़ियों को भी अमृत प्रदान करता रहेगा।नारियल केवल एक फल नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवन का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में यह समर्पण और पवित्रता का संदेश देता है, विज्ञान में यह स्वास्थ्य का स्रोत है और पर्यावरण के लिए यह स्थिरता का दूत है। विश्व नारियल दिवस हमें यह याद दिलाता है कि प्रकृति ने जो यह अद्भुत उपहार दिया है, उसकी रक्षा करना और उसका सतत उपयोग करना हमारी जिम्मेदारी है।आज आवश्यकता है कि हम नारियल उत्पादन बढ़ाने,किसानों को तकनीकी सहयोग देने और इसके औषधीय व पोषण संबंधी गुणों को अधिकाधिक जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लें। तभी नारियल वास्तव में मानव जीवन को समृद्ध और स्वस्थ बनाने में अपनी पूर्ण भूमिका निभा सकेगा।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विश्व नारियल दिवस केवल एक कृषि पर्व नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य, संस्कृति, पर्यावरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़ा एक आंदोलन बन चुका है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

जीवन रक्षक पहल

कैसी विडंबना है कि जो हेलमेट दुर्घटना में हमारे जीवन की रक्षा करता है, उसे पहनाने के लिये सरकार को सख्ती करनी पड़ रही है। जब तमाम दिशा-निर्देशों की अवहेलना तथा जुर्माने की अनदेखी करके लोग बिना हेलमेट का सफर करने की जिद दिखाते हैं तो निश्चय ही सरकारों को सख्ती करनी पड़ती है। ये आने वाला वक्त ही बताएगा कि उत्तर प्रदेश सरकार की 'हेलमेट नहीं तो पेट्रोल नहीं' मुहिम कितनी प्रभावी साबित होती है। हम यह जानते हैं कि दोपहिया वाहन पर चलना जितना सुविधाजनक है, उतना ही दुर्घटना की दृष्टि से बेहद संवेदनशील भी। कोई गिरता है तो चोट लगना निश्चित है। खतरा ये होता है कि हमारे गिरने पर पीछे से आ रहा तेज वाहन चाहकर भी गिरने वाले को बचा नहीं पाता। देश में हर साल लाखों दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं, कुछ दुर्भाग्यशाली बच नहीं पाते। लेकिन यदि हेलमेट लगा हो तो जीवित बचने की संभावना बहुत अधिक बढ़ जाती है। इस हकीकत को जानते हुए भी कि देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में तीस फीसदी शिकार दोपहिया वाहन चालक ही होते हैं, इस दिशा में लोग गंभीरता नहीं दिखाते। विडंबना यह भी है कि बहुत से लोग हेलमेट लगाते भी हैं तो सस्ते, और उसे भी टशन में लगाने से बचते हैं। विश्वास किया जाना चाहिए कि उत्तर प्रदेश सरकार की जीवन रक्षा की यह मुहिम रंग लाएगी। उम्मीद करें कि एक सितंबर से शुरू होने वाले इस अभियान को दोपहिया वाहन चालकों का सकारात्मक प्रतिसाद मिलेगा। निस्संदेह, दोपहिया वाहन चालकों की सड़क दुर्घटना में होने वाली मौत की वजह हेलमेट न लगाना या फिर अच्छी गुणवत्ता का हेलमेट ठीक से न पहनना होता है। कई लोग चालान से बचने के लिये औपचारिकता के लिए सस्ता हेलमेट पहन लेते हैं, जो पहनने के बावजूद बचाव नहीं कर पाता। या फिर गिरने की स्थिति में खुलकर अन्यत्र गिर जाता है। सवाल उठता है कि यातायात नियमों के अनुसार अनिवार्य होने के बावजूद लोग हेलमेट को गंभीरता से क्यों नहीं लेते? ऐसी लापरवाही जिसकी कीमत उन्हें जान देकर चुकानी पड़ सकती है। कुछ लोग जीवनपर्यंत विकलांगता के शिकार भी हो जाते हैं। फिर भी ऐसी लापरवाही समझ से परे है। एक हकीकत यह भी है कि यातायात पुलिस भी शुरू से ही ऐसी सख्ती नहीं दिखाती कि कोई बिना हेलमेट के वाहन न चला सके। एक संकट यह भी है कि पिछली सीट पर बैठी महिलाएं हेलमेट नहीं पहनती हैं। जबकि हादसे होने की स्थिति में वे भी शिकार बनती हैं। कुछ को अपने बालों के खराब होने की चिंता होती है। क्या जीवन से बड़ी कोई चीज हो सकती है? लेकिन विडंबना यह कि तमाम प्रयासों के बावजूद हम हेलमेट पहनने को लेकर जिम्मेदारी का भाव जगाने में कामयाब नहीं हो पाते। एक आंकड़े के अनुसार, बीते साल तीस हजार लोगों की मौत हेलमेट न पहनने के कारण हुई। फिर भी हम हकीकत को नजरअंदाज करते हैं। उम्मीद है उत्तर प्रदेश सरकार की मुहिम रंग लाएगी।

जल प्रलय के सन्देश?

(लेखक- तनवीर जाफ़री)

भारत के पंजाब राज्य को सबसे उपजाऊ धरती के राज्यों में सर्वोपरि गिना जाता है। इसका मुख्य कारण यही है कि यह राज्य खेती के लिये सबसे ज़रूरी समझे जाने वाले कारक यानी पानी के लिये सबसे धनी राज्य है। सिंधु नदी की पांच सहायक नदियाँ सतलुज, ब्यास, रावी, चिनाब और झेलम इसी पंजाब राज्य से होकर बहती हैं। इन पांचों नदियों में केवल व्यास ही एक ऐसी नदी है जो केवल भारत में बहती है शेष सतलुज, रावी, चिनाब और झेलम नदियाँ भारत से होते हुये पाकिस्तान में भीप्रवाहित होती हैं। यही नदियां जो पंजाब को उपजाऊ भूमि बनाने और यहाँ की संस्कृति का आधार समझी जाती हैं इन दिनों यही नदियां भारत से लेकर पाकिस्तान तक जल प्रलय का कारण बनी हुई हैं। इन नदियों के उफान पर होने का कारण जम्मू कश्मीर व हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार होने वाली तेज़ बारिश यहाँ तक कि अनेक स्थानों पर बादल फटने जैसी घटनाओं को माना जा रहा है।

दरअसल पिछले कुछ दिनों हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पंजाब के जलागम क्षेत्रों में असामान्य रूप से भारी बारिश हुई। कई ज़िले तो ऐसे भी थे जहाँ केवल एक ही दिन में पूरे एक महीने की बारिश दर्ज की गई। जैसे केवल अमृतसर और गुरदासपुर में 150-200 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज हुई। इससे शहरी जलनिकासी प्रणाली पूरी तरह फ़ेल हो गयी। दुर्भाग्यवश हमारे देश के अधिकांश राज्यों में बरसाती जल निकासी प्रणाली प्राय: फ़ेल ही रहती है। भ्रष्टाचारयुक्त निर्माण से लेकर सरकारी अम्लों की अकर्मण्यता व ग़ैर ज़िम्मेदार जनता द्वारा नाले नालियों में अवांछित वस्तुओं की डम्पिंग यहाँ तक कि मरे जानवर से लेकर रज़ाई गद्दे बोतलें प्लास्टक पॉलीथिन आदि सब कुछ नालों व नालियों में फ़ेंक देने जैसी ग़ैर ज़िम्मेदाराना प्रवृति, जल निकासी प्रणाली के फ़ेल होने में सबसे अहम भूमिका निभाती है।

एक ओर तो भारी बारिश व जलभराव उसके बाद भारत के सबसे विशाल भाखड़ा नंगल डैम, पोंग डैम रणजीत सागर डैम व शाहपुर कंडी जैसे डैम्स से अतिरिक्त पानी का छोड़ा जाना भी पंजाब की बड़े हिस्से की तबाही का कारण बन गया। इन डैम्स से पानी छोड़ना भी इसलिये ज़रूरी हो गया था क्योंकि इनमें इनकी क्षमता से अधिक जलभराव हो गया था। उदाहरण के तौर पर भाखड़ा डैम का जल स्तर 1,671 फीट तक पहुँच गया था तो पोंग डैम का जलस्तर भी अधिकतम से ऊपर चला गया था। इसी के परिणाम स्वरूप राज्य की सतलुज, ब्यास और रावी नदियाँ उफान पर आ गईं थीं। भारत से पानी छोड़ने के कारण ही पाकिस्तान के पंजाब प्रान्त में भी बाढ़ आई, जहाँ रावी, सतलुज और चेनाब नदियाँ प्रभावित हुईं। इस स्थिति के मद्देनज़र भारत ने पहले ही मानवीय आधार पर पाकिस्तान को तीन चेतावनियाँ जारी कर दी थीं।

भारतीय पंजाब के जो ज़िले इस भीषण जल प्रलय में प्रभावित हुये उनमें गुरदासपुर, पठानकोट, होशियारपुर, कपूरथला, अमृतसर, तरन तारन, फिरोज़पुर व फ़ज़िल्का के नाम ख़ासतौर पर उल्लेखनीय हैं जबकि लुधियाना और जालंधर में भी बढ़ का प्रभाव देखने को मिला। दर्जनों पुल टूट गये,सैकड़ों पशु बह गये अनेक वाहन तेज़ बहाव में समा गये। लाखों एकड़ फ़सल तबाह हो गयी ,तमाम मकान बह गये या क्षतिग्रस्त हो गये। दर्जनों जगह से हाईवे व मुख्य मार्ग बंद हो गये। और इस प्रलयकारी हालात से जूझने में कई जगह पंजाब का वह किसान स्वयं को असहाय महसूस करता दिखाई दिया जो हमेशा पूरी हिम्मत व हौसले के साथ दूसरों की सेवा सत्कार के लिये तत्पर दिखाई देता है। एक अनुमान के अनुसार राज्य के 500 से अधिक गांव डूबे गये इन गांवों में लगभग 6,600 से अधिक लोग फंसे थे। अमृतसर के रामदास क्षेत्र में रावी नदी का धुसी बांध टूट गया, जिससे 40 गांव डूब गए। इसी तरह गुरदासपुर में लगभग 150, कपूरथला में क़रीब 115, और अमृतसर में लगभग 100 गांव इस प्रलयकारी बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुये। गोया इस बार की बाढ़ ने कृषि-प्रधान पंजाब की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। इस बाढ़ के चलते सैकड़ों घर, 300 से अधिक स्कूल अनेक सड़कें, पुल और बिजली लाइनें आदि क्षतिग्रस्त हो गयीं । अमृतसर में गुरुद्वारा बाबा बुढ़ा साहिब डूब गया। कई जगह रेल यातायात बाधित हुआ अनेक ट्रेन्स कैंसिल कर दी गयीं। हाईवे टूटने व क्षतिग्रस्त होने के चलते 1,000 से अधिक सड़कें बंद कर गयीं । अकेले वैष्णो देवी में बारिश के चलते हुये भूस्खलन से 30 से अधिक मौतें होने की ख़बर है।

अभी तक जो अनुमान लगाया जा रहे उसके मुताबिक़ धान, गन्ना व मक्का की लगभग 1.5 लाख एकड़ फ़सल पूरी तरह डूब गई। पंजाब में लगभग 3 लाख एकड़ से अधिक भूमि जलमग्न हो गयी। इन बाढ़ग्रस्त क्षत्रों के किसानों को सितंबर-अक्टूबर में होने वाली रबी की फ़सलों में भी नुकसान की आशंका बनी हुई है। पंजाब में आई बाढ़ से हुआ अरबों रुपये का यह नुकसान खाद्य मुद्रास्फीति को भी प्रभावित करेगा। बाढ़ और बारिश-संबंधी हादसों से भारत व पाकिस्तान में अनेक मौतें भी हुई हैं जबकि अनेक लोग लापता भी हो गए हैं। इसी तरह हज़ारों पशुओं के बह जाने, मरने,बीमार पड़ने के साथ साथ उनके चारों की भी भारी कमी दर्ज की जा रही है। इन्हीं हालात में बीमारियों का भी ख़तरा बढ़ गया है। इससे पर्यटन उद्योग भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है।आपदा के इस समय में सेना एनडीआरएफ़ व एसडीआरएफ़ द्वारा 5,000 से अधिक लोगों की जान बचाई गयी व उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया। इन ऑपरेशन्स में चिनूक हेलीकॉप्टर, चीता हेलीकॉप्टर,नावें और एम्फीबियन वाहन इस्तेमाल किये गये।

पंजाब और ख़ासकर पहाड़ी क्षेत्रों में होने वाली असाधारण बारिश व बादल फटने जैसी अनेक घटनाओं ने मौसम वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों को हैरत में डाल दिया है। इन हालात के लिये जहाँ दुर्लभ परिस्थितियों में पूर्वी, दक्षिणी और पश्चिमी मौसम प्रणालियों के एक साथ आने को ज़िम्मेदार माना जा रहा है वहीं ग्लेशियर का लगातार पिघलते जाना भी बाढ़ को और अधिक भयावह बना रहा है। माना जा रहा है कि यह बाढ़ 1988 की उस भीषण बाढ़ से भी प्रलयकारी है जिसे हज़ार वर्षों में एक बार आने वाली बाढ़ की संज्ञा दी गयी थी। गोया हमें जल प्रलय के इस सन्देश को समझना होगा कि इन हालात के लिये ग्लोबल वार्मिंग के परिणामस्वरूप होने वाला जलवायु परिवर्तन ही सबसे अधिक ज़िम्मेदार है। और निश्चित रूप से विकास और इसके नाम पर पैदा किये गये ग्लोबल वार्मिंग के यह हालात पूरी तरह मानवजनित हैं।

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की।

आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है। मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे।

रोटी और पानी जिस प्रकार शरीर की सुरक्षा और परिपुष्टि के लिए आवश्यक हैं उसी प्रकार आत्मिक स्थिरता और प्रगति के लिए सद्विचारों, सद्भावों की प्रचुर मात्रा उपलब्ध होनी ही चाहिए। युग निर्माण के लिए, आत्म निर्माण के लिए वह प्रधान साधन है। संकल्प की, मन की शुद्धि के लिए इसे ही दवा माना गया है।

विचार मंथन

भारत- चीन के संबंधों में सुधार का अमेरिका पर असर

(लेखक- सनत जैन)

भारत और चीन के बीच संघाई सहयोग संगठन की बैठक के बद रिश्तों में नरमी और संवाद बढ़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत के ऊपर, टैरिफ और भारत के संबंधों पर जो दबाव बनाया जा रहा था। उसकी परिणति इसी रूप में होनी थी। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के सामने कोई विकल्प नहीं छोड़ा था। जिसके कारण चीन के साथ तमाम विरोधों के बावजूद भी भारत को अपने रिश्ते चीन के साथ सुधारने पड़ रहे हैं। भारत कावास्तविक नियंत्रण रेखा पर लंबे समय से चीन के साथ तनाव बना हुआ है। तनाव के बीच संबंधों का सुधारना एक सकारात्मक संकेत माना जा सकता है। सीमा विवाद और गलवान घाटी जैसी घटनाओं ने दोनों देशों के बीच के अविश्वास को बढ़ा दिया था। भारत का चीन के साथ आयात निर्यात का असंतुलन भी दोनों देशों को असंतुलित बनाता है। अब बदली हुई परिस्थितियों में भारत और चीन के बीच की वार्ता से दोनों देश शांति, स्थिरता आर्थिक एवं सामरिक दिशा में आगे बढ़ने की पहल भारत ने अपनी तरफ से पहल कर दी है। चीन इस मामले में ईमानदारी के साथ भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगा, तो वैश्विक स्तर पर चीन और भारत मिलकर एक नई महाशक्ति के रूप में उभर सकते हैं।

भारत के लिए चीन से संबंध सुधारना, केवल सीमावर्ती तनाव को घटाने के लिए नहीं है। बल्कि यह दोनों देश के विदेश नीति की बहु-आयामी रणनीति का हिस्सा भी बन सकता है। भारत जानता है, चीन वर्तमान में एक बड़ी आर्थिक शक्ति है। चीन की वैश्विक सप्लाई चेन में महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में सीमित स्तर पर ही सही, आपसी सहयोग, भारत और चीन को आर्थिक और कूटनीतिक लाभ वैश्विक स्तर पर मिल सकता है। इस परिप्रेक्ष्य में एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है, क्या भारत-चीन के संबंधों में सुधार का असर भारत-अमेरिका के संबंधों पर किस तरह से पड़ेगा? पिछले एक दशक में भारत और अमेरिका के रिश्ते अभूतपूर्व स्तर के थे। रक्षा, कारोबार, आपसी सहयोग, क्वाड समूह, प्रौद्योगिकी मे साझेदारी और निवेश को लेकर दोनों देशों के बीच गहरे संबंध बने थे। अमेरिका,भारत को एशिया में चीन के प्रभाव को संतुलित करने वाला अहम भागीदार मानता था। दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से बने हैं। उसके बाद से ही अमेरिका और भारत के संबंधों में तनाव बनना शुरू हो गया। भारत और चीन के संबंध सामान्य होने पर अमेरिका के लिए एक बड़ी नई चुनौती होगी। अमेरिका, वर्तमान स्थिति में भारत ओर चीन के दबाव को कम करने के लिए नई चुनौतियां भारत और चीन के लिए पैदा करेगा। वर्तमान स्थिति में भारत की नीति स्पष्ट है। वह किसी एक ध्रुव पर झुकने के बजाय बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में अपनी स्वतंत्र भूमिका को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। भारत अमेरिका से अपने संबंध को बनाए रखते हुए, रूस और चीन के साथ अपने संबंध और संवाद को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहा है। अमेरिका को समझना होगा, भारत का चीन से संबंध सुधारना, अमेरिका के साथ संबंध बिगाड़ना नहीं है। बल्कि यह भारत की सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। अमेरिका और भारत दोनों के हित संबंध सुधारनेमें हैं, भारत की भूमिका एशिया में आत्मविश्वास और स्वतंत्रता के साथ बनी रहेगी, तभी वैश्विक स्तर पर शांति बनी रह सकती है। चीन को नियंत्रित रखने के लिए भारत का मजबूत होना, विश्व शांति के लिए भी बहुत जरूरी है। भारत-चीन संबंधों में सुधार, भारत की विदेश नीति का संतुलन है। चीन और भारत के बीच सुधारते रिश्ते, अमेरिका- भारत के बीच संबंधों को कमजोर नहीं करेगा। अमेरिका को भारत के संबंध और भी बेहतर बनाने होंगे। भारत एक ऐसा राष्ट्र है, जो अपनी सामरिक एवं आर्थिक क्षमता के कारण अपनी शर्तों पर वैश्विक राजनीति मे अपना प्रभाव बनाने में सक्षम है। भारत हमेशा शांतिप्रिय तरीके से सभी देशों के साथ आर्थिक सामरिक एवं कूटनीति के संबंधों को बनाकर रखता है। भारत की विदेश नीति में विश्व कल्याण की भावना ही सर्वोपरि रहती है ना काहू से दोस्ती ना काहू से बैर रखते हुए भारत हमेशा अपने को निर्विवाद बनाकर रखता है। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर जो चुनौतियां उभर कर सामने आ रही हैं। उसमें वैश्विक स्तर में भारत की भूमिका हर दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है। अमेरिका को भारत के साथ बेहतर व्यवहार करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। टैरिफ को लेकर भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में जो खटास आई है। अमेरिका को समय रहते भारत के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। अमेरिका भारत के साथ गुलामों की तरह व्यवहार नहीं कर सकता है। इस बात को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जितनी जल्दी समझ जाएं, उतना अच्छा होगा। दोनों देशों के साथ-साथ वैश्विक संतुलन बनाए रखने के लिए चीन-भारत और अमेरिका के बीच संबंध सामान्य हों। समय-समय पर जो बदलाव आते हैं, उसके अनुसार रिश्तो में भी बदलाव आता है। इस बात को अमेरिका, चीन और भारत को समझना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 51.50 रुपए हुआ सस्ता, मार्च छोड़कर इस साल कई बार घटे दाम

नई दिल्ली। सितंबर का महीना ग्राहकों के लिए अच्छा रहेगा। खासकर उन लोगों के लिए जो होटलों, रेस्टोरेंट्स या अन्य व्यावसायिक कामों में एलपीजी सिलेंडर का इस्तेमाल करते हैं। तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की कीमत में एक बार फिर कटौती की है। इस बार 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 51.50 रुपए की कमी की गई है। अब दिल्ली में इस सिलेंडर की कीमत 1580 रुपए हो गई है, जो कि पहले 1631.50 रुपए थी। यह नई दर 1 सितंबर से लागू हो चुकी है। हालांकि, आम घरेलू उपभोक्ताओं को कोई राहत नहीं दी गई है। 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इस साल कमर्शियल सिलेंडरों के दामों में जनवरी से लगातार राहत मिल रही है सिर्फ मार्च महीने को छोड़कर। जनवरी में 14.50 रुपए की कटौती हुई थी। फरवरी में 7 रुपए कम हुए। मार्च में 6 रुपए की बढ़ोतरी हुई थी। इसके बाद अप्रैल में 41 रुपए की बड़ी कटौती की गई थी। मई में 14 रुपए और जून में 24 रुपए की कटौती की गई। जुलाई में ग्राहकों को सबसे बड़ी राहत मिली, जब 58.50 रुपए घटा दिए गए। अगस्त में भी 33.50 रुपए की कमी की गई थी और अब सितंबर की शुरुआत में ही राहत दी गई है। कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतें वैश्विक बाजार में कच्चे तेल और गैस की कीमतों, मुद्रा विनिमय दर और टैक्स स्ट्रक्चर जैसे कई कारकों पर निर्भर करती हैं। तेल कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को इन दरों की समीक्षा करती हैं और फिर बदलाव करती हैं।

रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी ने बजाज ऑटो को पांचवें स्थान पर धकेला

नईदिल्ली । अगस्त के महीने में भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में पहली बार एथर एनर्जी ने ओला इलेक्ट्रिक को पछाड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया। वहीं, रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी ने बजाज ऑटो को पांचवें स्थान पर धकेल दिया। जानकारों के मुताबिक, बजाज की चेतक इलेक्ट्रिक और गोगो 3डब्ल्यू की प्रोडक्शन चीन से आई सप्लाई चेन की रुकावट से बुरी तरह प्रभावित हुई। रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी को लेकर कंपनी ने पहले ही चेतावनी दी थी कि अगस्त उनके लिए जीरो मंथ साबित हो सकता है। हालांकि, उम्मीद जताई जा रही है कि सप्लाई जल्द सुधरेगी और बजाज अपनी पुरानी पोजिशन पर लौट आएगा। ओला इलेक्ट्रिक को अगस्त में एक तरफ पीएलआई स्कीम की मंजूरी मिली, जिससे कंपनी को 2028 तक 13-18प्रतिशत तक का इंसेंटिव मिलेगा, लेकिन दूसरी ओर मार्केट शेयर में गिरावट और ग्राहकों का घटता भरोसा अभी भी कंपनी के लिए चुनौती बना हुआ है। इसका असर इसके शेयर प्राइस पर भी दिखा, जो 76 रुपये से गिरकर 50.8 रुपये तक पहुंच गया। दूसरी ओर, एथर एनर्जी ने अप्रत्याशित छलांग लगाई। मई में लिस्टेड हुई कंपनी का जून तिमाही में रेवेन्यू 79 प्रतिशत बढ़कर 644.6 करोड़ रुपये पहुंच गया। घाटा भी घटकर 178.2 करोड़ रह गया, जो पिछले साल से कुछ बेहतर स्थिति है। इस ग्रोथ ने एथर को ओला के ऊपर पहुंचा दिया है। उद्योग में चिंता का बड़ा कारण रेयर अर्थ एलिमेंट्स की कमी बनी हुई है। ये मिनरल्स ईवी, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिफेंस सेक्टर के लिए बेहद अहम हैं। चीन की सप्लाई कर्ब्स ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यही वजह है कि ओला समेत कई कंपनियां अब रेयर अर्थ-फ्री मोटर्स पर काम कर रही हैं, ताकि चीन पर निर्भरता कम की जा सके। अगस्त का यह उतार-चढ़ाव बताता है कि ईवी मार्केट सिर्फ प्रतिस्पर्धा का नहीं बल्कि सप्लाई चेन प्रबंधन का भी खेल है।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। आज सुबह वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव आज बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। घरेलू बाजार में आज सोने की कीमतें 1,04,800 रुपये, जबकि चांदी की कीमतें 1,24,00 रुपये के करीब बनी हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव ऊपर आये हैं।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज सुबह बढ़त के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध आज 220 रुपये बढ़कर 1,04,044 रुपये पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,03,824 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 1,010 रुपये बढ़कर 1,04,834 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,05,937 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,04,044 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव आज 1,05,937 के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गये।

आज चांदी के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई और इसके भाव शीर्ष स्तर पर पहुंच गए। वहीं एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध आज 620 रुपये बढ़कर 1,22,493 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,21,873 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 2,169 रुपये बढ़कर 1,24,042 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। इस समय इसने 1,24,214 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,22,493 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। वहीं चांदी के वायदा भाव 1,24,214 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,517.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

इसका पिछला बंद भाव 3,516.10 डॉलर प्रति औंस था। एक समय यह 15 डॉलर की बढ़त के साथ ही 3,531.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कामकाज कर रहा था। दूसरी ओर कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 40.18 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 40.20 डॉलर था।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली । देश में सोमवार को कुछ जगहों पर तेल की कीमतें बढ़ीं हैं जबकि कुछ जगहों पर कम हुई हैं। दुनिया भर के बाजारों में कच्चे तेल के दाम बढ़कर 68 डॉलर पहुंच गये। इससे देश भर में तेल की कीमतें भी प्रभावित हुई हैं। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर। वहीं मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर रहा। वहीं उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल की कीमतें 27 पैसे कम हुईं। इससे ये 94.87 रुपये लीटर पर है। वहीं डीजल की कीमतें भी 25 पैसे कम हुई हैं और 87.82 रुपये लीटर पहुंच गयी हैं। गाजियाबाद में पेट्रोल 21 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.76 रुपये लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 23 पैसे चढ़कर 87.52 रुपये लीटर बिक रहा है। इसके अलावा गुरुग्राम में पेट्रोल 17 पैसे बढ़त के साथ 94.57 रुपये लीटर जबकि डीजल 19 पैसे चढ़कर 87.76 रुपये लीटर पर पहुंच गया। दूसरी ओर कच्चे तेल में हल्की बढ़त रही। ब्रेंट क्रूड 67.40 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है।

रुपया गिरावट पर बंद हुआ

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 11 पैसे की गिरावट के साथ ही 88.20 पर बंद हुआ। आज विदेशी पूंजी की लगातार निकासी की वजह से निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक असर पड़ा है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया करीब 17 पैसे टूटकर 88.26 के स्तर पर आ गया। अब तक का सबसे निचला स्तर पिछले सप्ताह शक्रवार को रहा जब रुपया 88 का स्तर पार करते हुए 88.09 पर बंद हुआ था। वहीं, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर इंडेक्स 0.07 फीसदी की गिरावट के साथ 97.70 पर रहा।

शेसर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 554 , निफ्टी 198 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ ही बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी आईटी शेयरों में तेजी से बाजार उछला। अमेरिका की एक अपीलीय अदालत के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने के फैसले को गलत बताये जाने से भी निवेशकों में उत्साह है। अमेरिकी टैरिफ लगने के बावजूद चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.8 फीसदी रहने से भी निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 554.84 अंक बढ़कर 80,364.49 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 198.20 अंक बढ़कर 24,625.05 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,098.10 अंक बढ़कर 56,825.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 271.10 अंक उछलकर 17,498.10 पर था।

वहीं सेक्टोरल आधार पर देखा जाये तो निफ्टी ऑटो , निफ्टी आईटी , निफ्टी मेटल , निफ्टी एनर्जी और निफ्टी पीएसई में सबसे ज्यादा बढ़त रही। वहीं निफ्टी फार्मा और निफ्टी मीडिया में ही गिरावट रही। सेंसेक्स पैक की बात करें तो एमएंडएम, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड और एक्सिस बैंक टॉप के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। वहीं सन फार्मा, आईटीसी, एचयूएल, टाइटन, एचडीएफसी बैंक और एलएंडटी के शेयर गिरे।

बाजार जानकारों के अनुसार जीडीपी के आंकड़ों से अधिक बेहतर होने से भी बाजार को बल मिला। अमेरिकी टैरिफ के बढ़ने के बाद भी जीडीपी पर प्रभाव नहीं पड़ने से भी बाजार धारणा मजबूत हुई। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। आज सुबह सेंसेक्स 79,828 अंक पर खुला। खुलते ही इसमें बढ़त आई। सुबह यह 338.48 अंक करी 0.42 फीसदी बढ़कर 80,148.13 पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी प्रकार निफ्टी भी बढ़कर 24,432.70 पर खुला। इसके बाद ये खरीदारी के कारण 25,500 के ऊपर पहुंच गया। सुबह यह 77.85 अंक या 0.32 फीसदी उछलकर 24,519 पर कारोबार करता दिखा।

वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में गिरावट रही। जापान का निक्केई 225 0.92 फीसदी, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.85 फीसदी और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.17 फीसदी गिरा। दूसरी ओर चीन का शंघाई कंपोजिट 0.20 फीसदी की बढ़त के साथ ऊपर आया। अमेरिकी बाजारों की बात करें तो वॉल स्ट्रीट में गिरावट रही। एसएंडपी 500 में 0.64 फीसदी की गिरावट रही जबकि नैस्डैक कंपोजिट में 1.15 फीसदी की कमी आई। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज भी 0.20 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 8,092.90 करोड़ रुपये के शेयर बेचे दूसरी ओर घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 10,925.34 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

अगस्त में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 59.3 पर, प्रोडक्शन में तेजी

जॉब जेनरेशन लगातार 18वें महीने मजबूत

नई दिल्ली।

भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने अगस्त में मजबूत ग्रोथ दर्ज की गई। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) जुलाई के 59.1 से बढ़कर 59.3 हो गया। एसएंडपी ग्लोबल की ओर से जारी आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई। पीएमआई का यह स्तर बीते 17 साल और छह महीने में ऑपरेटिंग स्थिति में सबसे तेज सुधार को दिखाता है। सर्वे में शामिल कारोबार ने इनपुट स्टॉक्स में बढ़ोतरी की रिपोर्ट दी, जबकि फिनिश्ड प्रोडक्ट्स का इन्वेंटरी भी नौ महीनों में पहली बार बढ़ा। एचएसबीसी इंडिया प्रमुख प्रांजल भंडारी ने कहा, ÷अगस्त में भारत का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई एक नई ऊंचाई पर पहुंचा, इसका कारण उत्पादन में तेज विस्तार है। अमेरिकी की ओर से भारतीय वस्तुओं पर 50 फीसदी टैरिफ बढ़ाने से नई एक्सपोर्ट ऑर्डर्स की ग्रोथ में थोड़ी नरमी आई हो सकती है, क्योंकि अमेरिकी खरीदार टैरिफ की अनिश्चितता के बीच ऑर्डर देने से बच रहे हैं। नए ऑर्डर मजबूती से आते रहे, जुलाई की रफ्तार के बराबर- जो पिछले 57 महीनों में सबसे तेज थी। सबसे मजबूत बिक्री और प्रोडक्शन परफॉर्मेंस इंटरमीडियेट गुड्स कैटेगरी में देखा गया। इसके बाद कैपिटल गुड्स और फिर कंज्यूमर गुड्स का स्थान रहा। इंटरनेशनल ऑर्डर में ग्रोथ थोड़ी धीमी रही, जो पिछले पांच महीनों में सबसे कमजोर रही। कंपनियों ने एशिया, यूरोप, पश्चिम एशिया और अमेरिका से नए काम हासिल करने की जानकारी दी।

जॉब जेनरेशन लगातार 18वें महीने मजबूत

कंपनियों ने अतिरिक्त सामग्री की खरीद तेज की और कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई। वे आंशिक रूप से बिजनेस आउटलुक को लेकर सकारात्मक हैं। ग्रोथ रेट 16 महीने के हाई पर पहुंच गई, जो लॉन्ग टर्म औसत से काफी ऊपर है। इभारतीय मैन्युफैक्ररर अपनी वर्कफोर्स एक्सपेंशन जारी रखे हुए हैं। अगस्त में रोजगार 18वें लगातार महीने बढ़ा। हालांकि जॉब जेनरेशन नवंबर 2024 के बाद सबसे धीमी गति से हुआ, फिर भी यह ऐतिहासिक रूप से मजबूत बना रहा।

पॉपुलर कॉम्पैक्ट एसयूवी किगर का फेसलिफ्ट वर्जन लांच

नईदिल्ली । भारतीय बाजार में रेनॉल्ट इंडिया ने अपनी पॉपुलर कॉम्पैक्ट एसयूवी किगर का फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च कर दिया है। नई रेनॉल्ट किगर का बेस वैरिएंट अथेंटिक अब पुराने आरएक्सई से सिर्फ 15,000 रुपये महंगा है, जबकि टॉप-स्पेक इमोशन वैरिएंट की कीमत पिछले मॉडल से केवल 6,000 रुपये ज्यादा है। कंपनी ने कीमतों में मामूली बढ़ोतरी की है, लेकिन फीचर्स और लुक्स के मामले में नई किगर को और ज्यादा आकर्षक व प्रीमियम बना दिया गया है। डिजाइन और फीचर्स के लिहाज से नई किगर पहले से कहीं ज्यादा मॉडर्न और फ्रेश नजर आती है। एक्सटीरियर में नई ग्रिल, अपडेटेड बंपर, स्टाइलिश एलईडी डीआरएल और हेडलैंप दिए गए हैं, जो इसे और ज्यादा स्पोर्टी बनाते हैं। वहीं इंटीरियर में नया इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, प्रीमियम अपहोल्स्ट्री और बेहतर स्पेस मैनेजमेंट जोड़ा गया है। सेफ्टी के लिहाज से मल्टीपल एयरबैग्स, ईएसपी, हिल-स्टार्ट असिस्ट और रियर कैमरा जैसे फीचर्स मौजूद हैं। कंपनी ने इंजन ऑप्शन में कोई बदलाव नहीं किया है। इसमें 1.0-लीटर नेचुरली एस्पिरेटेड और 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ 5-स्पीड मैनुअल, एएमटी और सीवीटी गियरबॉक्स का विकल्प मिलता है। स्मूद ड्राइविंग और दमदार परफॉर्मेंस दोनों का ध्यान रखा गया है। बाजार में यह एसयूवी टाटा पंच, मारुति फ्रोंक्स और हुंडई एक्सटर जैसी गाड़ियों से टक्कर लेगी।

एयरटेल ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने कर रही एआई का इस्तेमाल

-खरीदारी, बिलिंग, भुगतान और कस्टमर केयर के लिए एआई एजेंट किए तैयार

नई दिल्ली।

भारती एयरटेल अपने ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल कर रही है। कंपनी ने अपने 3.8 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों के लिए खरीदारी, बिलिंग, भुगतान और कस्टमर केयर जैसी सेवाओं में काम आने वाले छह अलग-अलग एआई एजेंट तैयार किए हैं। पिछले 18 महीनों से एयरटेल एआई का परीक्षण कर रही थी और पिछले कुछ तिमाहियों में इसे अपने संचालन में शामिल किया है। ये छह एआई एजेंट कंपनी के एक्सटेल्फी नामक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के तहत काम करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि एयरटेल का उद्देश्य एआई को अपनी सभी संचालन प्रक्रियाओं का मुख्य हिस्सा बनाना है। इसके साथ ही एयरटेल थैंक्स ऐप को सभी ग्राहक सवालों और सेवाओं का मुख्य माध्यम बनाया जाएगा। एक वरिष्ठ उद्योग अधिकारी ने कहा कि करीब छह महीने पहले एआई को संचालन का केंद्र बनाया गया है। इससे पहले कंपनी ने तीन हजार इंजीनियर और टेक्नोलॉजी स्टाफ का पुनर्गठन किया है।

कंपनी ने इसके ऊपर एक डेटा प्लेटफॉर्म तैयार किया है और इस पर छह एआई एजेंट- डेटा, खरीद, निर्माण, भुगतान, सेवा और चैनल प्लेटफॉर्म्स बनाए हैं। दूसरे अधिकारी ने बताया कि ये एआई एजेंट एक 'अमरीकृत एआई एजेंट' के तहत काम करेंगे, जो सभी ग्राहक सवालों का एक ही बिंदु होगा, बिल्कुल वैसे जैसे चैटजीपीटी या गिम्नी आज काम करते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में एयरटेल थैंकस ऐप गूगल सर्च बार की तरह काम करेगा। ग्राहक किसी भी समस्या या खरीद के लिए सीधे पूछ सकेंगे, जैसे अंतरराष्ट्रीय रोमिंग प्लान। एआई एजेंट आपस में बात करेंगे और समाधान प्रस्तुत करेंगे। एयरटेल ने कुछ साल पहले अपने आईटी संचालन, जिसमें ऑपरेशंस और बिलिंग सपोर्ट शामिल थे, आईबीएम से इनसोर्स कर लिए थे।

एआई के आने के बाद कंपनी ने आईटी खर्च को अपने कुल राजस्व का सिर्फ 1.5 फीसदी कर दिया है, जबकि वैश्विक टेलिकॉम कंपनियों का औसत 5.5-6 फीसदी है।

सितंबर में अलग-अलग राज्यों में बंद रहेंगे बैंक, आरबीआई ने जारी की छुट्टियों की सूची

नई दिल्ली।

भारत में बैंक राष्ट्रीय अवकाश, सार्वजनिक छुट्टियों और त्योहारों पर बंद रहते हैं। अब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सितंबर 2025 के लिए बैंक की छुट्टियों की सूची जारी की है। इस सूची में अलग-अलग राज्यों और शहरों में सरकारी और प्राइवेट दोनों सेक्टर के बैंक की छुट्टियों की डीटेल्स दी गई हैं।

आरबीआई के मुताबिक सितंबर 2025 में देश के कई हिस्सों में बैंक कुल 10 दिन बंद रहेंगे। इन छुट्टियों में कर्म पूजा, पहला ओणम, ईद-ए-मिलाद, थिरुवोनम, इंद्रजात्रा, नवरात्र, महाराजा हरि सिंह का जन्मदिन, महासप्तमी और दुर्गा पूजा शामिल हैं।

सितंबर माह में राज्य के मुताबिक बैंक छुट्टियां इस प्रकार हैं। 3 सितंबर झारखंड में कर्म पूजा के अवसर पर बैंक बंद। 4 सितंबर को केरल में पहला ओणम उत्सव। 5 सितंबर गुजरात, मिज़ोरम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तराखंड, हैदराबाद, विजयवाड़ा, मणिपुर, जम्मू, यूपी, केरल, नई दिल्ली, झारखंड, जम्मू और श्रीनगर में ईद-ए-मिलाद और थिरुवोनम के कारण बैंक बंद रहेंगे।

वहीं 6 सितंबर को सिक्किम और छत्तीसगढ़ में ईद-ए-मिलाद (मिलाद-उल-नबी)/इंद्रजात्रा।

12 सितंबर को जम्मू और श्रीनगर में ईद-ए-मिलाद-उल-नबी के अगले शुक्रवार के अवसर पर बैंक बंद। 22 सितंबर को राजस्थान में नवरात्र स्थापना। 23 सितंबर जम्मू और श्रीनगर में महाराजा हरि सिंह के जन्मदिन के अवसर पर बैंक बंद। 29 सितंबर को त्रिपुरा, असम और पश्चिम बंगाल में महासप्तमी/दुर्गा पूजा। 30 सितंबर त्रिपुरा, ओडिशा, असम, मणिपुर, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में महाअष्टमी/दुर्गा अष्टमी/दुर्गा पूजा पर बैंक बंद रहेंगे।

स्थानीय शाखाओं या बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर राज्यवार छुट्टियों की पुष्टि करना बेहतर है, क्योंकि कुछ छुट्टियां क्षेत्रीय रूप से अलग हो सकती हैं।

बैंक बंद रहने पर भी नेट बैंकिंग की सुविधा से अपने खातों की जांच, पैसे ट्रांसफर और बिल भुगतान आसानी से घर से किया जा सकता है। कैश निकालने के लिए पास के एटीएम का इस्तेमाल किया जा सकता है और एटीएम में पैसे जमा करने की सुविधा भी उपलब्ध है।

नई ई-स्कूटर टीवीएस ऑर्बिटर लॉन्च

नई दिल्ली ।

टीवीएस मोटर कंपनी ने अपनी नई ई-स्कूटर टीवीएस ऑर्बिटर को लॉन्च कर दिया है। इसकी शुरुआती कीमत 99,900 रुपये (एक्स-शोरूम, बेंगलुरु और दिल्ली, पीएम ई-ड्राइव स्कीम के तहत) रखी गई है। यह स्कूटर स्मार्ट, स्टाइलिश और सस्टेनेबल अर्बन कम्यूट के लिए खासतौर पर डिजाइन की गई है। नई टीवीएस ऑर्बिटर में 3.1 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी गई है, जो 158 किमी की आईडीसी रेंज देने में सक्षम है। यानी रोजाना शहर में आने-जाने के लिए पेट्रोल स्कूटर को अलविदा कहने का वक्त आ गया है। लंबी बैटरी लाइफ और बेहतर परफॉर्मेंस इसे अपने सेगमेंट में खास बनाते हैं। इस ई-स्कूटर को कई ऐसे फीचर्स से लैस किया गया है, जो इसे प्रतियोगियों से अलग करते हैं। पहली बार किसी स्कूटर में 14-इंच का बड़ा फ्रंट व्हील दिया गया है, जिससे राइडिंग स्टेबिलिटी और कम्फर्ट बढ़ जाता है। इसके अलावा इसमें क्रूज कंट्रोल, हिल होल्ड असिस्ट और 34 लीटर का अंडर-सीट स्टोरेज स्पेस जैसे एडवांस फीचर्स मौजूद हैं। टीवीएस ऑर्बिटर को स्मार्ट कनेक्टिविटी से भी लैस किया गया है। यह स्कूटर मोबाइल ऐप से कनेक्ट हो सकती है और इसमें जियो-फेंसिंग, टाइम-फेंसिंग, कॉलिजन अलर्ट, टॉइंग अलर्ट जैसी सुरक्षा सुविधाएं दी गई हैं। कॉल डिस्प्ले वाला कलर्ड एलसीडी क्लस्टर और यूएसबी 2.0 चार्जिंग पोर्ट इसे और भी प्रैक्टिकल बनाते हैं।

डिजाइन की बात करें तो इसमें लंबी 845एमएम फ्लैटफॉर्म सीट दी गई है, जिससे राइडर और पिलियन दोनों को बेहतर आराम मिलता है। 290एमएम का स्ट्रेट फुटबोर्ड और सीधी पोजिशनिंग इसे अर्बन राइड के लिए सुविधाजनक बनाते हैं। लुक्स की बात करें तो इसमें एलईडी हेडलैंप, एज-टू-एज फ्रंट लाइट्स और स्पोर्टी वाइजर दिया गया है। एयरोडायनामिक डिजाइन न केवल देखने में आकर्षक है बल्कि बैटरी की खपत को भी कम करता है और स्मूद परफॉर्मेंस देता है। कंपनी ने इसे 99,900 रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च करके ईवी सेगमेंट में कड़ी प्रतिस्पर्धा खड़ी कर दी है।

महिंद्रा एक्सयूवी 700 का 2026 फेसलिफ्ट वर्जन पेश करने की तैयारी

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में महिंद्रा की फ्लैगशिप एसयूवी एक्सयूवी 700 पहले ही बड़ी लोकप्रियता हासिल कर चुकी है। महिंद्रा कंपनी इसका 2026 फेसलिफ्ट वर्जन पेश करने की तैयारी में है। बीते दिनों इसका टेस्टिंग मॉडल कैमरे में नजर आया है, जिससे इसके डिजाइन और फीचर्स से जुड़ी कई अहम जानकारी सामने आई है। नई एक्सयूवी 700 फेसलिफ्ट में डिजाइन को और ज्यादा स्पोर्टी और मॉडर्न बनाने पर फोकस किया गया है। इसमें नया बंपर, अपडेटेड हेडलैंप्स और रिवाइज्ड टेल-लाइट्स देखने को मिलेंगी। साथ ही नए अलॉय व्हील्स और ताजगी भरे कलर ऑप्शन्स इसे और प्रीमियम बनाएंगे। एसयूवी का साइड प्रोफाइल लगभग वैसा ही रहेगा, लेकिन सूक्ष्म बदलाव इसे ज्यादा आकर्षक लुक देंगे। इंटीरियर को भी लग्जरी और टेक-फ्रेंडली बनाया जाएगा। इसमें महिंद्रा की ईवी लाइनअप से प्रेरित ट्रिपल-स्क्रीन लेआउट मिलेगा, जिसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, इंफोटेनमेंट और कंट्रोल स्क्रीन शामिल होंगे। इसके अलावा वेंटीलेटेड सीट्स, एंबिएंट लाइटिंग, वायरलेस चार्जर, टाइप-सी यूएसबी पोर्ट्स, 360-डिग्री कैमरा और एडवांस्ड लेवल-2 अडास जैसी हाई-टेक सुविधाएं भी दी जाएंगी। पावरट्रेन में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। एसयूवी पहले की तरह 2.0 लीटर एमस्टेलियन टर्बो पेट्रोल और 2.2 लीटर एमहॉक डीजल इंजन ऑप्शन्स में ही उपलब्ध रहेगी। दोनों इंजनों के साथ 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का विकल्प मिलेगा। यानी परफॉर्मेंस और पावर के मामले में यह एसयूवी उतनी ही दमदार रहेगी जितनी अभी है। कंपनी 2026 की शुरुआत में इस फेसलिफ्ट मॉडल को लॉन्च कर सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला वर्ल्ड कप 2025 जीतने वाली टीम होगी मालामाल, लगभग 300 गुना बढ़ी इनामी राशी

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने सोमवार को भारत और श्रीलंका में होने वाले महिला वर्ल्ड कप के लिए इनामी राशि की घोषणा की है। वहीं इस बार खास बात ये है कि, इस राशी में 297 प्रतिशत की वृद्ध हुई है। आईसीसी ने आधिकारिक बयान में आईसीसी ने पुष्टि करते हुए प्रमुख टूर्नामेंट में कुल पुरस्कार राशि 13.88 मिलियन होगी जो कि, भारतीय रुपये में 122 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम होती है। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने ये फैसला लेकर महिला क्रिकेट को अलग मुकाम पर पहुंचा दिया है।

बता दें कि, महिला वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम को 4.48 मिलियन डॉलर्स के इनाम का ऐलान किया गया है जो भारतीय रुपये में लगभग 40 करोड़ रुपये बैठती है। वहीं फाइनल में हारने वाली टीम को 2.24 मिलियन यानी लगभग 20 करोड़ रुपये मिलेंगे।

सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीम को लगभग 10 करोड़ रुपये का इनाम दिया जाएगा। ग्रुप स्टेज में एक मैच जीतने वाली टीम को 34 हजार डॉलर यानी 30.19 लाख रुपये मिलेंगे। इसके अलावा पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीम को 6.16 करोड़ रुपये के इनाम से नवाजा जाएगा।

वहीं सातवें और आठवें नंबर पर रहने वाली टीमों को भी 2.5 करोड़ रुपये मिलेंगे। कोई टीम मैच जीते या नहीं हर टीम को कम से कम 2 करोड़ 50 लाख रुपये मिलेंगे। वही सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि, पुरुष 2023 वनडे वर्ल्ड कप की प्राइज मनी 10 मिलियन डॉलर्स यानी लगभग 88.29 करोड़ रुपये थी।

वहीं आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि, ये घोषणा महिला क्रिकेट के सफर में एक निर्णायक मील का पत्थर साबित होगी। जय शाह ने आगे कहा कि, पुरस्कार राशी में चार गुना वृद्धि महिला क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक पल है और इसके दीर्घकालिक विकास के प्रति हमारी स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमारा संदेश सरल है।

फिटनेस टेस्ट में रोहित-शुभमन समेत इन खिलाड़ियों ने दिखाया दम

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से ही रोहित शर्मा के वनडे क्रिकेट में भविष्य को लेकर अटकलें लगती रही हैं। खासकर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे सीरीज के बाद उनके सफर के खत्म होने की बातें उठती रहीं। वहीं, इस दौरे के लिए चयन से पहले उनकी फिटनेस पर भी सवाल खड़े होते रहे। इन सवालों का जवाब देने के लिए भारतीय वनडे कप्तान रोहित शर्मा बेंगलुरु पहुंचे, जहां उन्होंने फिटनेस टेस्ट दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित ने बिना किसी परेशानी के यह टेस्ट पास कर लिया है।

कुछ दिनों के ब्रेक के बाद रोहित शर्मा के साथ ही टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल, स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अन्य खिलाड़ी भी बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बेंगलुरु में फिटनेस जांच के लिए मौजूद थे। शनिवार और रविवार को दो दिन तक सभी खिलाड़ियों का फिटनेस टेस्ट आयोजित किया गया। बीसीसीआई ने इस बार खिलाड़ियों की फिटनेस जांच के लिए यो-यो टेस्ट के साथ-साथ ब्रॉन्को टेस्ट भी शामिल किया था। हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि सभी खिलाड़ियों का ब्रॉन्को टेस्ट हुआ या नहीं, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार सभी का यो-यो टेस्ट जरूर हुआ।

रोहित शर्मा ने साबित की अपनी फिटनेस

31 अगस्त रविवार को फिटनेस टेस्ट के दूसरे दिन सभी खिलाड़ियों ने यो-यो टेस्ट दिया, जिसमें कप्तान रोहित शर्मा भी शामिल थे। करीब तीन महीने के क्रिकेट से दूर रहने के बाद भी 'हिटमैन' ने बिना किसी समस्या के फिटनेस टेस्ट पास कर अपनी फिटनेस साबित की। टेस्ट के बाद मुंबई लौटे रोहित के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिसमें वह काफी फिट नजर आए।

प्रसिद्ध कृष्णा ने भी किया प्रभावित

इंग्लैंड दौरे पर बेहतरीन प्रदर्शन कर चुके तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने भी इस फिटनेस टेस्ट में हिस्सा लिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, लंबे कद के इस पेसर ने टेस्ट के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया और टीम अधिकारियों को प्रभावित किया। हालांकि उनका स्कोर अभी सामने नहीं आया है। इसके अलावा शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह समेत अन्य खिलाड़ियों ने भी फिटनेस टेस्ट पास किया है। ये सभी खिलाड़ी आगामी एशिया कप टीम का हिस्सा भी हैं।

पूर्व दिग्गज बोले, स्मिथ और मैक्सवेल के विकल्पों की अभी से तलाश करें ऑस्ट्रेलिया

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कई पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि साल 2027 विश्व कप को देखते हुए टीम को अभी से बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ियों के विकल्प तलाशने होंगे। इसके साथ ही तय रणनीति के अनुसार तैयारियां करनी होंगी। स्मिथ और मैक्सवेल ने चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद ही एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कह दिया था। इन दोनो का विकल्प तलाशना आसान नहीं है क्योंकि स्मिथ लंबी बारी खेलने वाले बेहतरीन बल्लेबाज हैं। वहीं मैक्सवेल गेंद औरा बल्ले दोनो से ही अहम भूमिका निभाते हैं। उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से ही खिलाड़ियों पर नजर रखनी होगी। मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल ओवेन और लांस मौरिस चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से बाहर हैं। ऐसे में किन खिलाड़ियों को स्टीव स्मिथ और ग्लेन मैक्सवेल की जगह मौका दिया जाए। ये सवाल इस सीरीज के अलावा आने वाली सीरीजों में भी ऑस्ट्रेलिया के लिए चिंता का कारण होगा। मार्नस लाबुशेन एकदिवसीय सीरीज खेलेंगे, क्योंकि अनुभवी बल्लेबाज भी टीम में होना चाहिए। हालांकि, वे टेस्ट टीम से बाहर हो चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया को अब उनको कूपर कोनोली, आरोन हार्डी और मैट कुहनेमैन पर भरोसा करना होगा। इनमें से जिस भी खिलाड़ी को इस सीरीज में मौका मिलेगा और वह इन अवसरों का लाभ उठाना चाहेगा और स्मिथ और मैक्सवेल की जगह वह टीम में जगह बनाने की दावेदारी पेश करेगा। वहीं दूसरी ओर अफ्रीका की टीम के लिए बेहतर हालत में है। उसके पास हेनरिक क्लासेन की जगह मध्यक्रम में डेवाल्ड ब्रेविस जैसे बल्लेबाज है, जो टी20 में धाक जमान के बाद वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करेगा।

'इस्तीफा नहीं उन्हें निकाला गया है', साउथ अफ्रीकी दिग्गज एबी डिविलियर्स ने राहुल द्रविड़ को लेकर किया सनसनीखेज खुलासा

स्पोर्ट्स डेस्क। पूर्व भारतीय दिग्गज राहुल द्रविड़ के राजस्थान रॉयल्स के कोच पद से इस्तीफा देने के बाद क्रिकेट जगत में हलचल मची हुई है। राहुल द्रविड़ को पिछले साल ही राजस्थान रॉयल्स ने कोच के रूप में नियुक्त किया था, लेकिन एक सीजन खेलने के बाद ही उन्होंने टीम से अलग होने का फैसला कर लिया। इस मामले में अब साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। डिविलियर्स ने अनुमान जताया है कि राहुल द्रविड़ को टीम से निकाला गया था, इसलिए उन्होंने अचानक अपना कार्यकाल समाप्त किया।

एबी डिविलियर्स का बड़ा बयान

एबी डिविलियर्स ने अपने सोशल मीडिया शो '360 लाइव' पर कहा, 'मुझे लगता है कि यह फैसला टीम के ओनर या मैनेजमेंट का था। उन्होंने राहुल को टीम में एक बड़ी भूमिका की पेशकश की, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया।

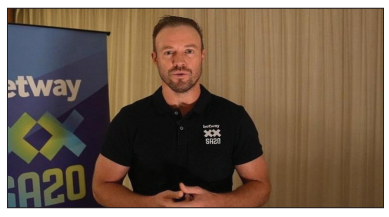

शायद वह परेशान थे क्योंकि वे अभी भी टीम में बने रहना चाहते थे और डगआउट में रहना चाहते थे। यह शायद उनका अपना फैसला हो, लेकिन भविष्य में जब हम उनसे बात करेंगे तो स्पष्टता मिलेगी। राहुल ने टीम में एक बड़ा खालीपन जरूर छोड़ा है।'

अच्छा नहीं रहा था पिछला सीजन

राजस्थान रॉयल्स के लिए पिछला सीजन खराब रहा है। 2008 की आईपीएल विजेता टीम ने पिछले साल सितंबर में राहुल द्रविड़ को कोच के रूप में लाकर टीम के प्रदर्शन को सुधारने की कोशिश की, लेकिन टीम ने 14 लीग मैचों में केवल चार मैच जीते और अंक तालिका में नौवें स्थान पर रही।

फ्रैंचाइजी ने क्या कहा?

राजस्थान रॉयल्स की फ्रैंचाइजी ने राहुल द्रविड़ के इस्तीफे पर बयान जारी करते हुए कहा, 'राहुल कई सालों तक राजस्थान रॉयल्स का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। उनके नेतृत्व में खिलाड़ियों की एक नई पीढ़ी को प्रेरणा मिली है। उन्होंने टीम में मजबूत मूल्यों का निर्माण किया और फ्रैंचाइजी की संस्कृति पर अमिट छाप छोड़ी है। टीम की संरचना की समीक्षा के दौरान राहुल को फ्रैंचाइजी में एक बड़ी भूमिका की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी और दुनियाभर के लाखों प्रशंसक फ्रैंचाइजी के लिए उनकी उल्लेखनीय सेवा के लिए राहुल को हार्दिक धन्यवाद देते हैं।'

बीसीसीआई ने भारतीय टीम के लिए नये प्रायोजक की तलाश शुरु की, 450 करोड़ रुपये रखी प्रायोजन राशि

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने क्रिकेट टीम के लिए नये स्पॉन्सर (प्रायोजक) की तलाश शुरु कर दी है। नए करार के लिए 450 करोड़ रुपये की रकम तय की गयी है। ये ड्रीम11 के साथ हुए 358 करोड़ रुपये के करार से ज्यादा है। ड्रीम11 को ऑनलाइन गेमिंग एप पर प्रतिबंध के बाद प्रायोजन करार से हटना पड़ा था जबकि उसका करार साल 2026 तक था। ऐसे में बीसीसीआई को अचानक ही नये प्रयोजक की तलाश करनी पड़ी है। बीसीसीआई के लिए हालांकि 9 सितंबर से शुरु हो रही एशिया कप से पहले प्रायोजक मिलना संभव नहीं है। एशिया कप 9 सितंबर से ही शुरु हो रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार अब बीसीसीआई की नजर 2025 से 2028 के लिए नए प्रायोजक की तलाश पर है और इस करार की कीमत करीब 450 करोड़ रुपये होगी जो ड्रीम11 की 358 करोड़ रुपये की रकम से कहीं अधिक होगी।

दलीप ट्रॉफी के फाइनल का सीधा प्रसारण होगा : बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि दलीप ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले का सीधा प्रसारण होगा। बीसीसीआई का ये बयान प्रशंसकों की आलोचना को देखते हुए आया है। प्रशंसकों ने दलीप ट्रॉफी मैचों का प्रसारण नहीं किये जाने पर निराशा जतायी थी। बीसीसीआई ने कहा है कि 11 से 15 सितंबर के बीच होने वाले दलीप ट्रॉफी का फाइनल टीवी पर प्रसारित किया जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, दलीप ट्रॉफी के फाइनल का सीधा प्रसारण होगा। हमने अपने प्रसारक के साथ 100 दिनों के घरेलू क्रिकेट का सीधा प्रसारण पक्का करने के लिए करार किया है। जिसका मतलब है कि हमारे सभी घरेलू टूर्नामेंटों का सीधा प्रसारण होगा। बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट को अत्यधिक महत्व देता है क्योंकि इन मैचों में लगभग सभी भारतीय खिलाड़ी खेल रहे हैं। दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट में अब तक यश दुल और अंकित कुमार के शतकों की बदौलत नॉर्थ जोन ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं दूसरे मैच में, दानिश मालेवार के शानदार डेब्यू और रजत पाटीदार व यश राठौड़ के शानदार प्रदर्शन से सेंट्रल जोन ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। दोनों सेमीफाइनल 4 सितंबर को खेले जाएंगे।

ऋषभ ने साझा की तस्वीर, चोट से उबरने का प्रयास कर रहे

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत इंग्लैंड दौरे के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में ऋषभ के पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया था। जिससे अब वह उबर रहे हैं। उनका प्लास्टर उतर गया है पर उन्हें अभी ठीक होने में समय लगेगा। इसी कारण वह एशिया कप से भी बाहर हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में भी वह शायद ही खेल पाये। अब ऋषभ ने अपनी एक तस्वीर साझा की है। इसमें वह चोट से उबरने का प्रयास कर रहे हैं। प्रशंसक भी उनकी वापसी कब होगी उसको लेकर बेताब हैं। इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की और लिखा, 'इसमें और कितने दिन?' वह उनके पैर पर लगे प्रोटेक्टिव बूट की ओर संकेत कर रहे थे। इस चोट के कारण वह कम से कम छह हफ्तों के लिए खेल से बाहर हो गए हैं। इससे पहले उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की थी।उन्होंने लीड्स टेस्ट में लगातार दो शतक लगाए जिससे वह टेस्ट में दो शतक लगाने वाले दूसरे विकेटकीपर-बल्लेबाज बन गए। उन्होंने तीन अर्धशतक भी बनाए जिसमें मैनचेस्टर में फ्रैक्चर वाले पैर के साथ खेली 54 रन की पारी भी शामिल थी। इस दौरे पर सात पारियों में उनके नाम 479 रन थे।

हॉकी इंडिया लीग को लेकर बड़ी अपडेट, जनवरी में तीन शहरों में खेलें जाएंगे मुकाबले

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क- हॉकी इंडिया लीग (HIL) का अगला सीजन जनवरी 2026 में आयोजित किया जाएगा, जिसमें इस बार लीग के मैच दो नहीं बल्कि तीन अलग-अलग स्थलों पर खेले जाएंगे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने पुष्टि की है कि पुरुष वर्ग की प्रतियोगिता आठ टीमों के साथ पहले की तरह ही जारी रहेगी, जबकि महिला वर्ग में टीमों की संख्या चार से बढ़ाकर छह तक की जा सकती है। हालांकि, इस बार पुरुषों की गोनासिका टीम और महिला वर्ग की मौजूदा चैंपियन ओडिशा वॉरियर्स निजी कारणों से प्रतियोगिता से बाहर हो गई हैं।

कौन-कौन से वेन्यू हो सकते हैं?

दिलीप टिर्की ने बताया कि इन टीमों की जगह नई टीमों की जल्द घोषणा की

जाएगी। उन्होंने कहा कि महिला वर्ग में कम से कम चार और पुरुष वर्ग में आठ टीमें जरूर रहेंगी। महिला टीमों की संख्या बढ़ाकर छह करने पर विचार जारी है। इस बार लीग के मैच तीन शहरों में खेले जाएंगे, जिनमें दो पुराने शहरों के साथ एक नया शहर भी शामिल होगा। ओडिशा के राउरकेला और भुवनेश्वर में से किसी एक को चुना जाएगा। वहीं, चंडीगढ़ और मोहाली का नाम भी चर्चा में था, लेकिन जनवरी में कोहरे की समस्या को देखते हुए निर्णय फिलहाल टाल दिया गया है।

दिलीप टिर्की ने यह भी जानकारी दी कि पिछली लीग के सभी खिलाड़ियों का बकाया भुगतान कर दिया गया है। खासकर ओडिशा वॉरियर्स टीम की ओर से भुगतान में हुई देरी को हॉकी इंडिया ने सीधे खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि से समायोजित कर दिया है।

कब होगी खिलाड़ियों की नीलामी?

अगले सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी सितंबर के अंत या अक्टूबर के पहले सप्ताह में होगी। इस नीलामी में गोनासिका और ओडिशा वॉरियर्स के साथ-साथ अन्य टीमों द्वारा रिलीज किए गए खिलाड़ी भी शामिल होंगे। टिर्की ने कहा कि भारत अगले साल होने वाले हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों में अपनी सबसे मजबूत टीमों को उतारेगा। उन्होंने बताया कि एशियाई खेल विश्व कप के लगभग तीन सप्ताह बाद होंगे और टीमों की तैयारी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

फिडे रैंकिंग : आर प्रज्ञानंनदा ने हासिल की करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग, कार्लसन टॉप पर काबिज

बेंगलुरु। फिडे की सितंबर 2025 महीने की रैंकिंग जारी हो गई है। इस दौरान भारत के स्टार खिलाड़ी आर प्रज्ञानंनदा ने अपने करियर के सर्वोच्च रैंकिंग हासिल की है। प्रज्ञाननंदा 2785 श्वद्यश के साथ चौथे नंबर पर पहुंचकर भारत के सर्वोच्च रेटिंग वाले क्लासिकल खिलाड़ी का खिताब अपने नाम किया है। यह बढ़त सिंकफील्ड कप में उनके दूसरे स्थान पर रहने से और भी बढ़ गई है। इससे पहले अगस्त में उनकी रेटिंग 6 अंक की थी। वहीं इस रैंकिंग में एक बार फिर नॉर्वे के खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन टॉप पर हैं। हालांकि, वो अब चैंपियन नहीं है, लेकिन रेटिंग के हिसाब से अभी भी नंबर 1 क्लासिकल खिलाड़ी हैं। उनके बाद ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारुआना दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। भारत के अन्य शीर्ष शास्त्रीय खिलाड़ियों में पांचवें स्थान पर अर्जुन एरिगैसी (2771 Elo) और छठे नंबर पर मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश (2767 Elo) शामिल हैं। इसके लावा वैश्विक टॉप 10 में एक उल्लेखनीय नवागंतुक जर्मन के विन्सेंट कीमर हैं, जिन्होंने चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2025 में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद तेजी से 21 रेटिंग अंक प्राप्त किए और एलीट क्लब में एंट्री की है। वहीं इस रैंकिंग में एक और बड़ा बदलाव देखने को मिला है जो कि वेस्ली सो का है। जिन्होंने हाल ही में समाप्त हुई सिंकफील्ड कप जीता। वेस्ली अपने दूसरे खिताब की बदौलत दुनिया में सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं।

बुमराह वर्तमान दौर के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज : अकरम

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह वर्तमान समय के एक महान गेंदबाज हैं। अकरम ने कहा कि जिस प्रकार भारतीय टीम प्रबंधन उनके वर्कलोड का ध्यान रख रहा है वह भी सराहनीय बात है। अकरम ने कहा कि बुमराह विश्व-स्तर के गेंदबाज है और इसमें किसी को भी संदेह नहीं होना चाहिये। इस पूर्व गेंदबाज ने कहा, बुमराह का ऐक्शन सबसे अलग है। उनके पास गति है और जिस तरह से प्रबंधन उनका ध्यान रख रहा है वह भी काफी अच्छी बात है। इसका पूरा श्रेय प्रबंधन और इस गेंदबाज की मानसिकता को जाता है। अकरम से जब यह पूछा गया कि क्या बुमराह ऑल-टाइम ग्रेट हैं तब उन्होंने कहा, किसी भी अलग-अलग दौर की तुलना नहीं की जा सकती। वह दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज हैं, मैं बाएं हाथ का गेंदबाज था। मैंने सोशल मीडिया पर कई बार बहस देखी हैं पर उससे न तो बुमराह और न ही मुझे फर्क पड़ता है। वह आधुनिक दौर के महान हैं। मैंने अपने समय में अपना योगदान दिया पर वह बहुत ही प्रभावशाली हैं। क्रिकेट में आए बदलाव को लेकर उन्होंने कहा कि अब गेंदबाजों को विकेट मिलने के अवसर ज्यादा हैं क्योंकि बल्लेबाज हर समय शॉट खेलना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 90 के दशक में टी20 नहीं था। एकदिवसीय में बल्लेबाज खराब गेंदों को छोड़ दिया करते थे पर अब तो टेस्ट में भी अच्छी गेंदों तक पर शॉट लग रहे हैं। इससे गेंदबाजों पर दबाव ज्यादा हो गया है। बुमरहा के पास विकेट लेने के अवसर ज्यादा हैं क्यों बल्लेबाज की नजर हमेशा शॉट पर रहती है। गेंदबाज के तौर पर हम उस आक्रामकता का आनंद लेते हैं। टेस्ट क्रिकेट को कुछ टीमों के लिए 5 दिन के बजाय 4 दिन तक का करने वाले यानी टू-टियर सिस्टम के प्रस्ताव को भी अकरम ने बेकार बताया है।

हरभजन ने थप्पड़ कांड का वीडियो दोबारा जारी करने के लिए ललित मोदी की आलोचना की

नई दिल्ली। पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने आईपीएल 2008 के थप्पड़ कांड का वीडियो दोबारा जारी करने के लिए पूर्व आईपीएल कमिश्नर ललित मोदी की कड़ी आलोचना की है। हरभजन ने उस मैच में नाराज होकर विरोधी टीम के तेज गेंदबाज एस श्रीसंत को एक थप्पड़ लगा दिया है हालांकि उसके बाद से ही हरभजन ने कई बार श्रीसंत से माफी मांग ली थी। साथ ही कहा था कि उस घटना का पछतावा उन्हें हमेशा रहेगा। अब घटना के 17 साल बाद उसी वीडियो को जारी किये जाने से हरभजन नाराज हैं। हरभजन ने कहा है कि जिस बात को लोग भूल गए थे, उसे इतने सालों बाद सार्वजनिक करने की क्या जरूरत थी। उन्होंने कहा कि इसके पीछे पूर्व आईपीएल कमिश्नर को कोई निजी हित छिपा होगा। हरभजन से ब थप्पड़ कांड का वीडियो लीक होने को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि लोग भूल गए थे, और अब उन्हें उसकी दोबारा याद दिलाई जा रही है। हरभजन ने कहा कि जिस तरह से वीडियो लीक किया गया है, वो गलत है। यह नहीं होना चाहिए। इसके पीछे ललित का कुछ स्वार्थ होगा। कई साल पहले कुछ हुआ था, लोग उसे भूल गए हैं और वे उसे याद दिला रहे हैं। हरभजन ने आगे कहा, 'जो कुछ भी हुआ उसके लिए मुझे भी बुरा लगता है। हम लोग खेल रहे थे, और सबके मन में कुछ न कुछ चलता रहता है। गलतियां होती हैं और हम उसके लिए शर्मिंदा महसूस करते हैं।' साथ ही कहा, 'वह दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और मैं कई मौकों पर कह चुका हूं कि मुझसे गलती हुई थी। इंसान गलतियां करता है, मैंने भी की। मैंने भगवान गणेश से प्रार्थना की है कि अगर मैं भविष्य में गलतियां करता हूं तो मुझे क्षमा करें। गलतियां होती हैं।' हरभजन ने अभी हाल ही में आर अश्विन के साथ हुई बात में भी थप्पड़ कांड के लिए माफी मांगी थी। उन्होंने यह भी कहा कि अब उनके श्रीसंत के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं।

रणजी नहीं आईपीएल... भारतीय टेस्ट टीम के चयन को लेकर ये क्या कह गए चेतेश्वर पुजारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में टीम इंडिया के अनुभवी खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा की। पुजारा ने नंबर-3 पर टीम इंडिया को लंबे समय तक सेवाएं दी। इस दौरान वह टीम इंडिया के लिए कई बार संकटमोचन बने। उन्होंने राहुल द्रविड़ के बाद टीम इंडिया के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया जिस कारण उन्हें टीम इंडिया की दीवार कहा जाने लगा। हालांकि, लंबे समय तक उन्हें टीम इंडिया में मौका नहीं मिला लेकिन नंबर-3 अभी भी अस्थिर है। कई खिलाड़ियों को आजमाया गया है। वह इस नंबर पर अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए हैं।

वहीं चेतेश्वर पुजारा ने संन्यास के बाद अपनी दिल की बात कही। इस दौरान उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस के जरिए भारतीय टेस्ट टीम में चयन को लेकर कड़वी सच्चाई उजागर की। पुजारा ने इस दौरान कहा कि, टेस्ट टीम में चयन आईपीएल, टी20 और वनडे क्रिकेट में प्रदर्शन से होता है। रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने से काफी कम खिलाड़ियों का चयन होता है। जिस कारण नए दौर के खिलाड़ी अटैकिंग क्रिकेट पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

साथ ही पुजारा ने कहा कि, मुझे लगता है कि ज्यादातर खिलाड़ियों को टेस्ट मैचों के लिए टी20, आईपीएल या वनडे में उनके प्रदर्शन के आधार पर चुना जाता है। बहुत कम खिलाड़ी ऐसे होते हैं जिन्हें रणजी मैचों में उनके प्रदर्शन के आधार पर चुना जाता है। यहां तक कि, गेंदबाज भी सफेद गेंद वाले सर्किट से टेस्ट मैचों में आ रहे हैं। यही कारण है कि मुझे लगता है कि आधुनिक युग के बल्लेबाजों की ताकत आक्रामक क्रिकेट खेलना है। वे जरूरत पड़ने पर गेंद को डिफेंडकरने या छोड़ने की कला सीख रहे हैं।

वहीं टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज ने कहा कि, फिलहाल अभी भी समझदारी भरा क्रिकेट खेला जा रहा है। खिलाड़ी स्थिति का आकलन कर रहे हैं। फिर काउंटर अटैकिंग कर रहे हैं। लेकिन मुझे लगता है कि खेल बेहतर स्ट्राइक रेट के साथ आगे बढ़ेगा। हालांकि, ऐसा तभी हो सकता है जब आप सपाट पिच पर खेल रहे हों। अगर आप चुनौतीपूर्ण पिच पर खेलना शुरू करते हैं तो क्या कोई आक्रामक क्रिकेट खेलना जारी रख सकता है? इस पर पुजारा ने कहा कि, नहीं, इसलिए अगर कोई पारंपरिक टेस्ट खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी से उभरता है तो मुझे अभी भी लगता है कि उसके पास भारत की टेस्ट टीम में योगदान देने का मौका होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हरी मिर्च काटते वक्त जलन से परेशान? अपनाएं ये 5 आसान और असरदार घरेलू टिप्स

रसोई में हरी मिर्च काटना एक आम लेकिन परेशान करने वाला काम हो सकता है, खासकर जब मिर्च काटने के बाद हाथों में तेज जलन शुरू हो जाती है। दरअसल, हरी मिर्च में कैप्साइसिन नामक एक तीखा तत्व होता है, जो स्किन के संपर्क में आते ही जलन पैदा करता है। लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि कुछ घरेलू और आसान उपायों से आप इस जलन से पूरी तरह बच सकते हैं।

हाथों पर तेल या घी लगाएं

हरी मिर्च काटने से पहले हाथों पर थोड़ा घी या खाना पकाने का तेल लगा लें। यह स्किन पर एक सुरक्षात्मक परत बना देता है, जिससे कैप्साइसिन सीधा त्वचा से नहीं टकराता और जलन नहीं होती। यह उपाय न सिर्फ आसान है बल्कि रसोई में हमेशा उपलब्ध भी होता है।

दस्ताने पहनें

अगर आप पूरी तरह सुरक्षित तरीका अपनाना चाहते हैं तो डिस्पोजेबल ग्लव्स या किचन रबर ग्लव्स पहनकर मिर्च काटें। इससे आपके हाथ सीधे मिर्च के संपर्क में नहीं आते और जलन का कोई खतरा नहीं रहता।

ये भी पढ़ें : बॉलीवुड की दरियादिल एक्ट्रेस ने हाउस हेल्प करने वालों को बना दिया मालिकजनिभाया परिवार जैसा साथ

कैंची का इस्तेमाल करें

जब मिर्च बहुत बारीक काटने की जरूरत न हो, तो कैंची से मिर्च काटना एक बेहतरीन विकल्प है। इससे न सिर्फ मिर्च जल्दी और समान आकार में कट जाती है, बल्कि आपकी उंगलियों का सीधे मिर्च से संपर्क भी नहीं होता। कैंची से काटना तेज, साफ-सुथरा और जलन मुक्त तरीका है।

चॉपिंग बोर्ड और तेज चाकू का करें इस्तेमाल

अगर आप चाकू से ही मिर्च काटना पसंद करते हैं, तो एक तेज धार वाला चाकू और चॉपिंग बोर्ड इस्तेमाल करें। मिर्च को हाथ में पकड़ने की बजाय बोर्ड पर रखें और तेजी से काटें ताकि हाथों का मिर्च से संपर्क कम से कम हो। काटने के बाद हाथों को तुरंत साबुन से धोना न भूलें।

जलन होने पर ठंडे पानी का इस्तेमाल करें

अगर किसी वजह से आपके हाथों में जलन हो ही गई है तो तुरंत ठंडे पानी में हाथ डुबोएं। चाहें तो पानी में थोड़ा सा नमक या सिरका मिला सकते हैं। इससे कैप्साइसिन का असर कम हो जाता है और जलन से राहत मिलती है।

हरी मिर्च काटना अब कोई दर्दनाक काम नहीं रहेगा। ऊपर बताए गए घरेलू और आसान उपायों से आप न केवल जलन से बच सकते हैं, बल्कि मिर्च काटने का काम भी तेजी और सफाई से पूरा कर सकते हैं। अगली बार जब आप मिर्च काटें, तो इन तरीकों को जरूर आजमाएं।

हल्दी को महीनों तक ताजा रखने के 4 आसान टिप्स

हल्दी, सिर्फ एक मसाला नहीं है बल्कि यह हर भारतीय रसोई का अहम हिस्सा है। हल्दी न सिर्फ खाने में रंग और स्वाद लाती है, बल्कि यह कई घरेलू नुस्खों में भी काम आती है। पुराने समय से ही हल्दी का उपयोग घाव भरने, इम्युनिटी बढ़ाने, गले की खराश ठीक करने, और कई बीमारियों से लड़ने के लिए किया जाता रहा है। यह अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-बैक्टीरियल, और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए जानी जाती है। चाहे आप हल्दी को पाउडर के रूप में इस्तेमाल करते हों या कच्ची हल्दी घर पर रखते हों, उसे सही तरीके से स्टोर करना जरूरी है ताकि उसका स्वाद, खुशबू, और फायदे बरकरार रहें।

हल्दी पाउडर को कैसे स्टोर करें?

1. हल्दी पाउडर को हमेशा एयरटाइट कंटेनर में रखें ताकि उसमें नमी न जाए।

2. इसे धूप, गर्मी, और नमी से दूर रखें। हल्दी धूप में रखने से अपना रंग और गुण खो देती है।

3. जब भी हल्दी निकालें, सूखी चम्मच का इस्तेमाल करें। गीली चम्मच से नमी आ जाती है, जिससे हल्दी जल्दी खराब हो सकती है।

4. अगर आपने थोक में हल्दी खरीदी है, तो उसे छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें। इससे पूरा स्टॉक बार-बार हवा के संपर्क में नहीं आएगा और ज्यादा दिनों तक चलेगा।

कच्ची हल्दी को कैसे स्टोर करें?

1. सबसे पहले हल्दी को हल्के हाथों से धो लें ताकि उस पर लगी मिट्टी निकल जाए। फिर उसे पूरी तरह सुखा लें।

2. सूखी हुई हल्दी को एक पेपर टॉवल में लपेटें और उसे ज़िपलॉक बैग या एयरटाइट डिब्बे में रखें। पेपर टॉवल अतिरिक्त नमी सोख लेगा।

3. इस डिब्बे को अपने फ्रिज के वेजिटेबल ड्रॉअर में रखें। इस तरह हल्दी 2 से 3 हफ्ते तक ताजी बनी रहेगी।

4. अगर आप हल्दी को लंबे समय तक रखना चाहते हैं, तो इसे काटकर या कद्दूकस करके छोटे हिस्सों में फ्रीज़ कर लें। आप इसे आइस क्यूब ट्रे में भी स्टोर कर सकते हैं और जरूरत के अनुसार इस्तेमाल कर सकते हैं।

प्राकृतिक तरीकों से हल्दी को कैसे संरक्षित करें?

अगर आप हल्दी को लंबे समय तक बिना फ्रीज़ किए रखना चाहते हैं, तो पुराने देसी तरीके अपनाएं।

हल्दी को प्राकृतिक रूप से स्टोर करने के उपाय : कच्ची हल्दी को पतले स्लाइस में काट लें और 2-3 दिनों तक धूप में सुखाएं। जब यह पूरी तरह सूख जाए, तो इसे मिक्सर में पीसकर पाउडर बना लें और एयरटाइट डिब्बे में स्टोर करें। हल्दी पाउडर के डिब्बे में आप तेज पत्ता या नीम की लकड़ी या पत्तियां डाल सकते हैं। यह नमी और कीड़े-मकोड़ों को दूर रखते हैं और हल्दी को ताजा बनाए रखते हैं।

चाहे हल्दी पाउडर हो या कच्ची हल्दी - थोड़ी सी सावधानी से आप इसे लंबे समय तक खराब होने से बचा सकते हैं।

वास्तु के हिसाब से ऐसे बनवाएं अपनी किचन, सेहत और स्वाद का यूं लगेगा तड़का

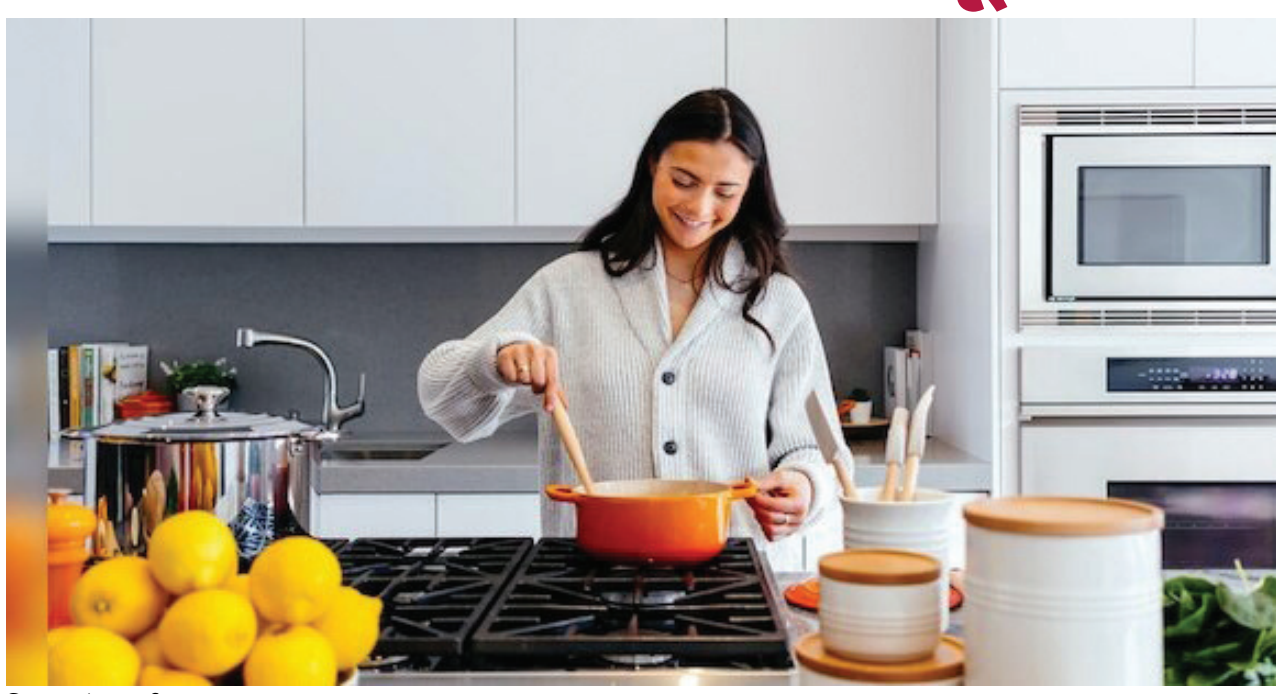

वास्तु शास्त्र का नाम तो आप सभी ने जरूर सुना होगा। यह एक पारंपरिक हिंदू वास्तुशिल्प प्रणाली है जो यह बताती है कि किसी भी भवन या संरचना को किस दिशा में बनाया जाना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण की दिशाएं बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। माना जाता है कि वास्तु के नियमों के अनुसार बनाई गई इमारत में हमेशा सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है, जो घर के सदस्यों के लिए शुभ होती है। इस शास्त्र में पांच तत्वों आग, हवा, पानी, जमीन और अंतरिक्ष को विशेष महत्व दिया गया है। यही कारण है कि हर निर्माण कार्य में इन तत्वों और दिशाओं का ध्यान रखा जाता है ताकि घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहे।

किचन में ऊर्जा का महत्व

घर के सभी हिस्सों में ऊर्जा होती है, लेकिन किचन को घर का सबसे महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। किचन वह जगह है जहां भोजन बनाया जाता है, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। इसलिए किचन में सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार की ऊर्जा मौजूद रहती है। भोजन ही हमारे शरीर को जीवन देने वाली ऊर्जा का मुख्य स्रोत होता है। इसीलिए किचन के डिजाइन और उसकी स्थिति पर खास ध्यान देना जरूरी होता है ताकि वह ऊर्जा खराब न हो और सेहत पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

वास्तु के अनुसार किचन की सही दिशा

वास्तु शास्त्र के नियमों के मुताबिक, किचन हमेशा घर के दक्षिण-पूर्वी कोने में बनानी चाहिए। यह दिशा आग के तत्व का प्रतीक है, जो किचन के लिए सबसे उपयुक्त मानी जाती है। अगर आप किचन को घर के उत्तर-पूर्वी कोने में बनाते हैं, तो इससे दुर्घटना और गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

इसके अलावा, वास्तु शास्त्र में यह भी कहा गया है कि किचन और रेस्टरूम को कभी भी एक साथ नहीं बनाना चाहिए। दोनों को एक-दूसरे से अलग-अलग रखना जरूरी है। रसोईघर में पूर्व और उत्तर दिशा को खाली रखना चाहिए। किचन में खाना हमेशा पूर्व दिशा की ओर बनाना चाहिए क्योंकि इसे शुभ माना जाता है। यह भी ध्यान रखें कि किचन कभी भी बेडरूम, पूजा के कमरे या टॉयलेट के ऊपर या नीचे नहीं होना चाहिए।

किचन के दरवाजे और खिड़कियों का वास्तु में महत्व

किचन के दरवाजे भी वास्तु के अनुसार बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। किचन के दरवाजे का फेस पूर्व, उत्तर या पश्चिम दिशा में होना चाहिए। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है और परिवार के सदस्य स्वस्थ रहते हैं। अगर किचन का दरवाजा दक्षिण दिशा में है, तो इससे घर के सदस्यों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। खिड़कियों के मामले में भी दिशा का ध्यान रखना जरूरी है। किचन में खिड़कियां ऐसी जगह लगानी चाहिए जहां से सुबह की सूरज की रोशनी सीधे किचन में आ सके। यह किचन में ताजी हवा और सकारात्मक ऊर्जा लाती है।

वास्तु शास्त्र की मदद से किचन का सही स्थान और डिजाइन निश्चित करना बहुत जरूरी है। इससे न केवल घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है, बल्कि परिवार की सेहत और खुशहाली भी बनी रहती है। इसलिए वास्तु शास्त्र के इन नियमों को ध्यान में रखकर अपने घर की रसोई को बनाएं और सकारात्मक ऊर्जा का स्वागत करें।

कढ़ाई की जमी काली परत हटाएं इस आसान घरेलू नुस्खे से, बिना ज्यादा मेहनत के

कढ़ाई के किनारों पर जमी काली और जिद्दी परत साफ करना अक्सर बहुत मुश्किल लगता है। इसे हटाने के लिए घंटों तक कड़ी मेहनत करनी पड़ती है, जिससे हाथ भी थक जाते हैं और समय भी बहुत लग जाता है। लेकिन अब आपको इस समस्या से परेशान होने की जरूरत नहीं है। माय कुकिंग स्टाइल एंड टिप्स नाम के सोशल मीडिया अकाउंट से एक आसान और प्रभावी तरीका बताया गया है, जिससे आप अपने घर में मौजूद सिर्फ 4 चीजों की मदद से कढ़ाई की काली परत को फटाफट साफ कर सकते हैं। इससे आपकी कढ़ाही बिल्कुल नई जैसी चमक जाएगी।

आपको क्या-क्या चाहिए होगा?

डिटर्जेंट पाउडर

बेकिंग सोडा

नींबू का रस

नमक और पानी

सबसे पहले करें ये काम

सबसे पहले जिस कढ़ाही को साफ करना है, उसमें इतना पानी डालें कि कढ़ाही के किनारों पर जमी काली परत पानी में पूरी तरह डूब जाए। अब इस पानी में 2 से 3 चम्मच डिटर्जेंट पाउडर डालें। इसके बाद 2 से 3 चम्मच बेकिंग सोडा डालें और 1 से 2 चम्मच नमक भी मिलाएं। फिर नींबू का रस डालें। आप चाहें तो नींबू का रस और भी ज्यादा डाल सकते हैं, यह निर्भर करता है कि कढ़ाही पर गंदगी कितनी जमी है।

10 से 15 मिनट तक उबालें

इस घोल को धीमी आंच पर गैस पर रखें और लगभग 10 से 15 मिनट तक उबलने दें। जब यह मिश्रण उबलेगा तो कढ़ाही की जमी हुई काली परत धीरे-धीरे ढीली होने लगेगी। इसका मतलब है कि जो गंदगी लंबे समय से जमी हुई थी, उसकी पकड़ कमजोर हो जाएगी। नींबू के रस और बेकिंग सोडा का यह मिश्रण सफाई की ताकत को बढ़ा देता है, जिससे सफाई बहुत आसान हो जाती है।

अब कढ़ाही को साफ करें

जब कढ़ाही का मिश्रण ठंडा होने लगे, तो एक स्पैचुला या लकड़ी के चम्मच की मदद से धीरे-धीरे काली परत को खुरचने की कोशिश करें। इसके बाद कढ़ाही को थोड़ा और ठंडा करें ताकि आप इसे आराम से छू सकें। अब एक स्क्रबर या स्टील वूल लें और कढ़ाही के किनारों और तले पर जहां भी काली परत जमी हो, उसे अच्छे से रगड़ें। आप देखेंगे कि काली परत आसानी से हटने लगेगी और आपकी कढ़ाही बिलकुल नई जैसी चमकने लगेगी।

यह तरीका न केवल आसान है बल्कि घर में उपलब्ध सामान से किया जा सकता है। इससे आप अपनी कढ़ाही की सफाई बिना ज्यादा मेहनत के कर पाएंगे। अगली बार जब भी कढ़ाही पर जमी काली परत परेशान करे तो इस सरल और कारगर नुस्खे को जरूर आजमाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान में जबरन धर्म परिवर्तन कराने पर उम्रकैद तक की सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान, घर वापसी अपराध नहीं

जयपुर (एजेंसी)। विधानसभा सत्र से पहले रविवार को भजनलाल सरकार की कैबिनेट बैठक में राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म-संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक को संशोधनों के साथ मंजूरी दी गई। नए ड्राफ्ट में जबरन धर्म परिवर्तन कराने पर उम्रकैद तक की सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया है। वहीं, मूल पैतृक धर्म में लौटने को धर्म परिवर्तन की परिभाषा से बाहर रखा गया है। बिल को सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में पेश किया जाएगा। कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि अवैध धर्मांतरण में शामिल संस्थाओं का पंजीकरण रद्द होगा, सरकारी ग्रांट बंद होगी और जिस संपत्ति पर धर्मांतरण हुआ है, उसकी जब्ती या ध्वस्तीकरण तक किया जा सकेगा। सबूत का भार उस व्यक्ति पर होगा, जिसने धर्म परिवर्तन करवाया है।

एलओसी पर दिखे घुसपैठिये, जवानों के साथ भीषण गोलीबारी जारी

जम्मू (एजेंसी)। राजौरी से सटे पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी हो रही है। सेना ने सोमवार सुबह पुंछ के बालाकोट सेक्टर में एलओसी पर संदिग्ध गतिविधि का पता लगाया और उसे चुनौती दी, जिसके बाद से गोलीबारी जारी है। मिली जानकारी के मुताबिक सेना के जवानों ने बाड़ के आगे डब्बी इलाके में जीरो लाइन के पास संदिग्ध घुसपैठियों को देखा और गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि संदिग्ध समूह ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। सूत्रों ने बताया कि सेना के जवानों का अभियान जारी है और घुसपैठ की किसी भी कोशिश को रोकने के लिए अतिरिक्त बल भेजा गया है।

युवक की कार रुकवाई गले पर मारी ब्लेड, नकदी व मोबाइल लूट कर भागे

-डॉक्टरों ने घायल को रांची किया रेफर, पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी

मेदिनीनगर (एजेंसी)। पलामू जिले के हैदरनगर के पंसा गांव निवासी विनय कुमार चंद्रवंशी पर लुटेरों ने ब्लेड से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी उसका मोबाइल और नकदी लूट कर फरार हो गए। हालत गंभीर होने पर सोमवार को डॉक्टरों ने घायल को रांची रेफर किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घायल विनय चंद्रवंशी ने बताया कि रविवार रात वह अपने कार से एक रिश्तेदार को मेदिनीनगर स्थित सेवा सदन अस्पताल में भर्ती कराने गया था। अस्पताल में भर्ती करवाकर वह वापस घर लौट रहा था, तभी रेहला थाना क्षेत्र के बी मोड़ के पास तीन अज्ञात लुटेरों ने कार रुकवाई। लुटेरों ने जबरन कार को अपने बताए स्थान पर ले जाने के लिए दबाव बनाया। विनय ने विरोध किया तो उसके हाथ पर ब्लेड से हमला कर दिया। डर और चोट के कारण उसने लुटेरों की बात मान ली। इसके बाद लुटेरे उसे कोरियाडीह ले गए। वहां उतरते ही लुटेरों ने उसके गले पर ब्लेड से वार किया और मोबाइल व नकदी छीनकर फरार हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार सुबह ग्रामीणों ने देखा कि एक युवक कार के अंदर खून से लथपथ पड़ा है। ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाला और थाने जाने की सलाह दी। घायल विनय किसी तरह किशनपुर ओपी पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा। चिकित्सकों ने हालत गंभीर होते देख उसे रांची रिम्स रेफर कर दिया। घटना के बाद से पुलिस अलर्ट है। किशनपुर ओपी पुलिस ने पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी है और अपराधियों की पहचान की कोशिश की जा रही है।

केरल सीएम ने बाढ़ में फंसे 18 पर्यटकों को बचाने हिमाचल सीएम से किया अनुरोध

कोच्ची(एजेंसी)। केरल के सीएम पिनराई विजयन ने रविवार को हिमाचल प्रदेश के अपने समकक्ष सुखविंदर सिंह सुक्खू से अनुरोध किया कि वह पहाड़ी राज्य में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन में फंसे दक्षिणी राज्य के 18 पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि कोच्चि की एक एजेंसी ने एक टूर का हिस्सा यह समूह हिमाचल प्रदेश के कल्पा में फंसा हुआ है। विजयन ने हिमाचल प्रदेश सरकार से पर्यटकों को बचाने और उनकी सुरक्षित केरल वापसी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है। आधिकारिक बयान के मुताबिक केरल के अधिकारी इस प्रयास में समन्वय के लिए हिमाचल प्रदेश के अपने समकक्षों के साथ लगातार संपर्क में हैं। सीएम ने फंसे हुए लोगों की सुरक्षा और उनकी सुगम वापसी का भी अनुरोध किया। बयान में कहा गया है कि सीएम विजयन ने प्राकृतिक आपदा से प्रभावित हिमाचल प्रदेश के लोगों के साथ केरल की एकजुटता व्यक्त की। अधिकारियों के मुताबिक यह समूह 25 अगस्त को केरल से मनाली के लिए रवाना हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि पर्यटक केरल के कई हिस्सों से हैं।

मराठा आरक्षण आंदोलन में युवक की हार्टअटैक से मौत, शोक जताने सैकड़ों लोग पहुंचे

मुंबई (एजेंसी)। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई में आंदोलन कर रहे व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई, जिसके बाद लातूर जिले में रविवार को सैकड़ों लोग यहां उसके गांव में शोक व्यक्त करने पहुंचे। मृतक प्रदर्शनकारी के शव को मुंबई से उसके गांव लाया गया। टाकलगांव का रहने वाले विजयकुमार चंद्रकांत घोगरे आजाद मैदान में कार्यकर्ता मनोज जरांगे के नेतृत्व में जारी आरक्षण आंदोलन में हिस्सा लेने 40 लोगों के एक समूह के साथ मुंबई गए थे। जानकारी के मुताबिक दक्षिण मुंबई के पायधोनी इलाके में शनिवार को घूमते समय घोगरे को सीने में दर्द हुआ, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों के मुताबिक चिकित्सकों ने घोगरे को मृत घोषित कर दिया।

जब एआई से घपला पकड़ सकता है, तो हलफनामों का क्यों नहीं दे रहा जवाब?

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग को बताया जुगाड़ आयोग

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। बिहार चुनाव से पहले विपक्ष ने सरकार और चुनाव आयोग को वोटों की हेराफेरी के मामले में कटघरे में खड़ा कर दिया है। कांग्रेस समेत इंडिया ब्लॉक की सहयोगी पार्टियां सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगा रही है लेकिन अभी तक किसी भी आरोप को सिद्ध नहीं कर पाई हैं। अब अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए पूछा है कि जब एआई से घपला पकड़ सकता है, तो सपा के 17,986 हलफनामों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है। ये हलफनामे कथित तौर पर मतदाता सूची में हेराफेरी और 'वोट चोरी' से संबंधित हैं, जिस पर आयोग की चुप्पी राजनीतिक गलियारों में बहस का विषय बन गई है।

अखिलेश यादव ने सोमवार को चुनाव आयोग को 'जुगाड़ आयोग' करार देते हुए सवाल उठाया कि वह सपा के 17 हजार से ज्यादा शपथ पत्रों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए एक्स पर पोस्ट में कहा कि जब 'जुगाड़ आयोग' एआई से सवा करोड़ रुपए का घपला पकड़ सकता है तो फिर हमारे द्वारा दिए गए करीब 18,000 में से केवल 14 हलफनामों का जवाब देने के बाद बचे 17986 हलफनामों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है?

इस पोस्ट में अखिलेश ने एक समाचार चैनल का वीडियो साझा किया है जिसमें यह दावा किया गया है कि एआई के ज़रिए पंचायत चुनाव के मद्देनजर सवा करोड़ मतदाता कम किए गए हैं। इसमें यह भी दावा किया गया है कि एआई के जरिए अलग-अलग गांवों में डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान हुई है जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा पिछले माह एक प्रेसवार्ता में 'वोट चोरी' और अन्य अनियमितताओं के विपक्ष के आरोपों को गलत बताया था। सपा प्रमुख यादव ने एक अन्य संदेश में कहा था कि सपा ने 'वोट चोरी' के संबंध में 18 हजार शपथ पत्र आयोग को दिए थे, लेकिन कार्रवाई शून्य है। बाद में यादव ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा था बीजेपी, चुनाव आयोग, जिलाधिकारी की तिकड़ी अभी तक हमारे द्वारा दिए गए 18 हजार हलफनामों में से

सिर्फ 14 का ही जवाब दे पाई है। यादव ने एक्स पर सोमवार को एक अन्य पोस्ट में कहा ÷बीजेपी ने जब से विश्वविद्यालयों का 'संगी-साथीकरण' किया है तब से विश्वविद्यालय प्रशासन की भेदकारी व पक्षपाती राजनीति का छात्रों की पढ़ाई और उनके जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

आपदा से हुए नुकसान के आकलन के लिए गृह मंत्रालय ने दल का किया गठन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर गृह मंत्रालय ने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश, बाढ़, अचानक बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन से हुए नुकसान के आकलन के लिए अंतर-मंत्रालयी केन्द्रीय दलों का गठन किया है। ये केन्द्रीय दल मौके पर जाकर स्थिति और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे राहत कार्यों का आकलन करेंगे। गृह मंत्रालय के अनुसार, केन्द्रीय दल अगले सप्ताह की शुरुआत में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और जम्मू-कश्मीर के बाढ़ या भूस्खलन प्रभावित जिलों का दौरा करेंगे। दरअसल, मौजूदा मानसून सीजन के दौरान भारी से अत्यधिक भारी बारिश, अचानक बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। हिमाचल प्रदेश में पहले ही एक दल और एक बहु-क्षेत्रीय दल दौरा कर चुका है। इन केन्द्रीय दलों का नेतृत्व गृह मंत्रालय/राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त सचिव स्तर के वरिष्ठ अधिकारी करेंगे और इनमें व्यय, कृषि और किसान कल्याण, जल शक्ति, ऊर्जा, सड़क परिवहन और राजमार्ग, ग्रामीण विकास मंत्रालयों/विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। गृह मंत्रालय इन राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारियों के संपर्क में है और आवश्यक लॉजिस्टिक सहायता प्रदान कर रहा है, जिसमें एनडीआरएफ, सेना और वायु सेना के हेलीकॉप्टरों की तैनाती शामिल है, जो खोज और बचाव कार्यों तथा आवश्यक सेवाओं की बहाली में सहायता कर रहे हैं।

सेक्सुअल एजुकेशन को लेकर 12वीं के छात्र ने दायर की याचिका

-सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया। यह नोटिस कक्षा 12 के एक छात्र द्वारा दायर याचिका पर दिया गया। याचिका में स्कूल के पाठ्यक्रम और एनसीईआरटी व एससीईआरटी द्वारा तैयार की जाने वाली पुस्तकों में कंप्रिहेंसिव सेक्सुअल एजुकेशन यानी ट्रांसजेंडर-समावेशी समग्र यौन शिक्षा को शामिल करने के लिए निर्देश देने की मांग की गई है।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बी आर गवई की अगुवाई वाली पीठ ने इस मामले में केंद्र और राज्य सरकारों से जवाब मांगा है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी बनाम भारत संघ और सोसाइटी फॉर एन्लाइटनमेंट एंड वॉलंटरी एक्शन बनाम भारत संघ मामलों में दिए गए बाध्यकारी निर्देशों का अनुपालन न होने का हवाला दिया गया है। इसमें कहा गया है कि एनसीईआरटी और ज्यादातर एससीईआरटी ने अब तक लिंग पहचान, लिंग विविधता और सेक्स एवं जेंडर के बीच अंतर पर कोई संरचित या परीक्षा-आधारित सामग्री शामिल नहीं की है।

याचिका में कहा गया है कि महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, तमिलनाडु और कर्नाटक में किए गए पाठ्यपुस्तक समीक्षाओं में व्यवस्थित रूप से ऐसे विषयों को नजरअंदाज किया गया है, आंशिक अपवाद केवल केरल में दिखाई दिए। यह संविधान का उल्लंघन है और साथ ही नीति निदेशक तत्वों की भी अनदेखी है। याचिका में ये भी कहा गया है कि यूनेस्को और डब्ल्यूएचओ द्वारा प्रकाशित इंटरनेशनल टेक्निकल गाइडेंस ऑन सेक्सुएलिटी एजुकेशन जो सीएसई के लिए एक फ्रेम प्रदान करता है को सुप्रीम कोर्ट ने 2024 के अपने एक फैसले में समर्थन दिया था। याचिका ने यह भी बताया कि 2019 से एनसीईआरटी ने कई नीतिगत दस्तावेज, प्रशिक्षक गाइड और संसाधन सामग्री विकसित की है, लेकिन इन्हें मुख्य पाठ्यपुस्तकों में शामिल नहीं किया गया है।

बता दें एनसीईआरटी के 7 मई 2025 के आरटीआई उत्तर का हवाला देते हुए कहा गया कि उसने अब तक ट्रांसजेंडर-समावेशी यौन शिक्षा पर कोई शिक्षक ट्रेनिंग आयोजन नहीं किया है।

जो लोगों को अच्छे से मूर्ख बना दे, वह ही सबसे अच्छा नेता

-गडकरी ने कहा- धार्मिक, सामाजिक कार्य और राजनीति अलग-अलग चीजें

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में बने रहते हैं। उन्होंने इस बार नेताओं को लेकर कहा कि जो लोगों को सबसे अच्छा मूर्ख बना सकता है, वह ही सबसे अच्छा नेता हो सकता है। नितिन गडकरी ने नागपुर में अखिल भारतीय महानुभाव परिषद में यह बात कही। उन्होंने कहा कि बातें करना आसान है। मैं कोई अधिकारी नहीं हूं, लेकिन मुझे इसका एहसास है, क्योंकि जिस क्षेत्र में मैं काम करता हूं, वहां पूरे मन से सच बोलना मना है। जो लोगों को सबसे अच्छा मूर्ख बना सकता है, वह ही सबसे अच्छा नेता हो सकता है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता में लिखा है कि अंत में सत्य की ही जीत होगी।

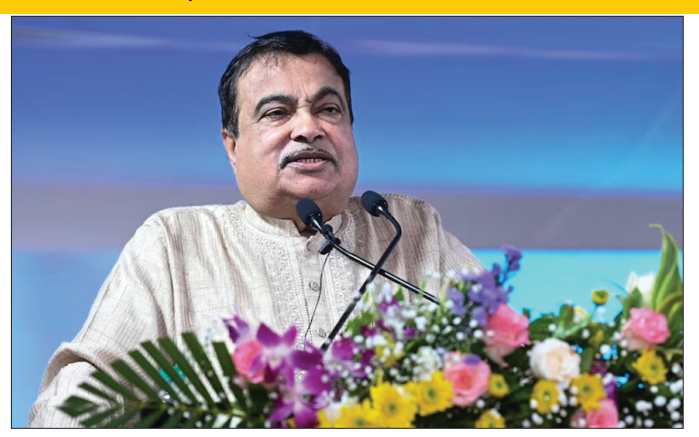

गडकरी ने कहा कि किसी भी चीज को हासिल करने का एक शॉर्टकट होता है। शॉर्टकट के जरिए इंसान तेजी से आगे बढ़ता है। अगर आप नियम तोड़कर सड़क पार करना चाहें, तो हो सकता है कि लाल बत्ती हो या आप उसे पार कर जाएं, लेकिन एक दार्शनिक ने कहा कि शॉर्टकट कट यू शॉर्ट। इसीलिए हमने ईमानदारी, विश्वसनीयता, समर्पण, सच्चाई जैसे मूल्य दिए हैं। उन्होंने कहा कि समाज में इन सबका अपना महत्व है।

उन्होंने कहा कि पंथ और संप्रदायों को मंत्रियों से दूर रखना चाहिए। धार्मिक कार्य, सामाजिक कार्य और राजनीति अलग-अलग चीजें हैं। अगर धर्म को सत्ता सौंप दी जाए, तो उसे नुकसान होगा। मंत्री जहां भी जाते हैं, वहां आग लगाने से खुद को नहीं रोक पाते। वह दो महंतों के बीच झगड़ा कराते हैं, फिर गद्दी के लिए संघर्ष होता है। फिर सरकार निलंबित करती है, एक समिति नियुक्त करती है और फिर दोनों सरकार में आ जाते हैं, गडकरी ने धर्म और राजनीति को दूर रखने की सलाह दी।

गडकरी बीजेपी में अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं। वह जनता को अपनी बात साफ और सीधे शब्दों में कहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं काम करूँगा। अगर आप मुझे पसंद करते हैं, तो मुझे वोट दें, अगर नहीं, तो मत दें।

नेपाली मूल की बहुओं समेत बिहार में 3 लाख मतदाताओं को नोटिस भेजा

किशनगंज (एजेंसी) नेपाल से शादी कर भारत आईं कई महिलाएं यहां समाज का हिस्सा बन चुकी हैं। लेकिन, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत इनकी नागरिकता पर सवाल उठ रहे हैं। निर्वाचन आयोग ने बिहार में करीब 3 लाख मतदाताओं को नोटिस भेजा है जिसमें किशनगंज की नेपाली मूल की बहुएं भी शामिल हैं। इन महिलाओं को अपने मतदाता पहचान पत्र के लिए दस्तावेज साबित करने को कहा गया है। किशनगंज में नेपाल से शादी कर आई महिलाओं को मतदाता सूची से हटाने की कार्रवाई ने हड़कंप मचा दिया है। निर्वाचन आयोग की सख्ती ने ऐसे नागरिकों की चिंता और परेशानी बढ़ा दी है।

दरअसल, बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) ने मतदाता सूची में विसंगतियों को पकड़ा है। किशनगंज जैसे सीमावर्ती जिलों में नेपाल से शादी कर आई महिलाएं रहती हैं, लेकिन अब यह मुद्दा गंभीर हो गया है। इन महिलाओं के पास सभी वैध दस्तावेज होने के बावजूद पुराने रिकॉर्ड, जैसे- माता-पिता के 2003 के मतदाता सूची प्रमाण की कमी के कारण उन्हें सूची से हटाने की कार्रवाई हो रही है। निर्वाचन आयोग ने सात दिनों के भीतर दस्तावेज जमा करने का निर्देश दिया है। नेपाल के पाठामारी की रहने वाली मुनिया की शादी 2011 में भातगांव के वार्ड नंबर 08 के बेचना मांझी से हुई थी। उनके पास आधार कार्ड, राशन कार्ड, बैंक खाता और निवास प्रमाण पत्र जैसे सभी भारतीय दस्तावेज हैं। लेकिन निर्वाचन आयोग उनकी मां के दस्तावेज मांग रहा है। ठाकुरगंज प्रखंड के भातगांव पंचायत की मुनिया देवी को बीएलओ अमरनाथ नायक ने नोटिस थमाया है। मुनिया बताती हैं कि उनकी मां पिछले 8 साल से भारत में रह रही हैं और उनके पास आधार कार्ड भी है, लेकिन 2003 की मतदाता सूची में उनका नाम नहीं है। किशनगंज के सीमांचल क्षेत्र में मुस्लिम आबादी और भारत-नेपाल के वैवाहिक रिश्ते प्रचलित हैं। इनके बीच इस कार्रवाई से बेचैनी बढ़ गई है। पूर्व मुखिया अब्दुल मन्नान का कहना है कि गरीबी और बाढ़ के कारण कई लोगों के पास पुराने दस्तावेज नहीं हैं। एआईएमआईएम जैसे दल इसे अल्पसंख्यक समुदायों पर निशाना मानते हैं, जबकि बीजेपी अवैध घुसपैठ का आरोप लगाती है। बता दें कि दस्तावेज जमा करने की अंतिम तारीख 1 सितंबर 2025 थी और अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित होगी।

राहुल के हाइड्रोजन बम पर रविशंकर प्रसाद का पलटवार, बताया 'फुस्स पटाखा', पूछा- हलफनामे से क्यों भागते हैं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा वोट चोरी के अपने आरोपों को दोहराए जाने और भाजपा को एक और हाइड्रोजन बम की चेतावनी दिए जाने के बाद सत्तारूढ़ पार्टी ने सोमवार को उन्हें गैरजिम्मेदार और समझने में कठिन कहा। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने प्रसन्नतापूर्वक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जब भी मैं राहुल गांधी को बोलते हुए सुनता हूं, चाहे संसद के अंदर हो या बाहर, मुझे कई प्रकार के एंटीना लगाने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि आज राहुल गांधी ने कहा कि मैंने एटम बम फोड़ा है, अब हाइड्रोजन बम फोड़ूंगा। उन्होंने कहा कि चुनाव में मतगणना को लेकर कर्नाटक में जो उनका एटम बम था वो तो फुस्स हो गया, वो दिवाली का एक छोटा पटाखा भी नहीं निकला, और वो हाइड्रोजन बम फोड़ने की बात कर रहे हैं। अभी तक तो दुनिया में भी हाइड्रोजन बम नहीं फूटा है।

कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए प्रसाद ने कहा कि एक बार उन्होंने (राहुल गांधी) कहा था कि 5-6 साल में व्यक्ति युवा हो जाता है। दूसरी बात उन्होंने कही, तपस्या करने से गर्मी होती है।

इसलिए एटम बम और हाइड्रोजन बम का चुनाव से क्या संबंध है, इसके लिए मुझे जानकारी प्राप्त करनी पड़ेगी। राहुल गांधी जी... इतना अपने आप को हल्का क्यों बना रहे हैं, आप विपक्ष के नेता के पद पर हैं, इसकी गरिमा होती है। भाजपा सांसद ने कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर कई सवाल उठाए हैं, लेकिन हलफनामे के मुद्दे पर वह चुप क्यों हैं?

उन्होंने कहा कि मैं तीन सवाल उठाना चाहता हूँ जिनका जवाब राहुल गांधी को देना चाहिए- 1.21 लाख लोग मर चुके हैं। क्या उन्हें अब भी मतदाता सूची में रहना चाहिए? 2.35 लाख लोग अब अपने पंजीकृत पते पर नहीं रहते। क्या उनके नाम बने रहना चाहिए? 3.7 लाख नाम दो अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में हैं। क्या उन्हें दो बार मतदान करने की अनुमति दी जानी चाहिए? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने स्पष्ट रूप से कहा है कि आपत्तियाँ हलफनामों के माध्यम से दर्ज की जानी चाहिए। राहुल गांधी इससे क्यों भाग रहे हैं? क्योंकि उन्हें पता है कि हलफनामे में झूठ बोलने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पहले बिहार में जब चुनाव होता था तो कितनी बूथ कैप्चरिंग होती थी, बूथ तक लूट लिया जाता था। लेकिन आज बूथ कैप्चरिंग खत्म हो गई है। मैं चुनाव आयोग का धन्यवाद करता हूं। आज ईवीएम में जाइए, बटन दबाइए और रिजल्ट सामने आता है। आज जो अखिलेश और तेजस्वी यादव कहते हैं कि बैलेट पेपर लाओ... क्योंकि इनके दिल में दर्द है कि ये लोग बूथ कैप्चरिंग नहीं कर पा रहे हैं। आज ये लोग जो चुनाव आयोग और वोटर लिस्ट पर घमासान कर रहे हैं इसके बीच में दो मूल बिंदु हैं। हमें बूथ कैप्चर करने का अधिकार दो और घुसपैठियों को नहीं निकालो।

महिषी विधानसभा सीट पर माकपा ने ठोंका दावा... तेजस्वी के माथे पर चिंता की लकीर

सहरसा (एजेंसी)। महिषी बस एक गांव का नहीं है। यह अपने सांस्कृतिक, धार्मिक और साहित्यिक विरासत के लिए जितनी जाती है उतनी ही महिषी विधानसभा सीट अपनी राजनीतिक सुचिता के लिए मशहूर है। इस सीट पर प्रखर समाजवादी नेता परमेश्वर कुमार और कांग्रेसी दिग्गज लहटन चौधरी चुनाव लड़ते रहे हैं। राजनीतिक प्रतिद्वंदी होकर भी इनकी राजनीतिक सुचिता की कई कहानी आज भी इलाके के लोग सुनाते हैं। महिषी ऐसा है जिसके नाम से विधानसभा क्षेत्र है और खुद महिषी गांव इस विधानसभा क्षेत्र के बजाय सिमरीबख्तियारपुर विधानसभा का हिस्सा है।

बहरहाल विधानसभा चुनाव आते ही पार्टियों के बीच सीटों को लेकर खींचतान शुरू हो गई है। महिषी विधानसभा सीट पर अब माकपा ने अपना दावा ठोक राजद को परेशानी में डल दिया है।

हाल ही में सहरसा पहुंचे माकपा पोलित ब्यूरो के सदस्य सह अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक ढ़ावले ने महिषी सीट पर अपना दावा ठोक दिया। इसके बाद राजद के संभावित उम्मीदवारों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बीते 2020 के विधानसभा चुनाव में यहां से महागठबंधन से राजद की टिकट पर गौतम कृष्ण उम्मीदवार थे। जदयू के गुंजेश्वर साह ने उन्हें नजदीकी मुकाबले में पटखनी दी थी। दूसरी ओर सीट पर फिलहाल एनडीए गठबंधन में जदयू का कब्जा है। यहां ध्यान रहे कि 2015 के चुनाव में एनडीए की ओर से रालोसपा के खाते में यह सीट गई थी, जबकि महागठबंधन में जदयू ने सीट पर अपना दावा छोड़ा था और यहां से राजद के अब्दुल गफूर ने बाजी मारी थी। 2020 के चुनाव में अब्दुल गफूर के पुत्र अब्दुल रज्जाक लोजपा की टिकट पर चुनावी मैदान में उतरे थे और 22 हजार से अधिक मत प्राप्त किया था। इसके बाद इस सीट पर माकपा की नई दावेदारी से एक नई संभावना ने जन्म ले लिया है।

आसमान में दुनिया को ताकत दिखाएगा देसी 'राफेल', ब्रह्मोस मिसाइल से होगा लैस

-एचएएल भारतीय वायुसेना को जल्द सौंपेगी दो तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश-दुनिया के बदलते हालात को देखते हुए आर्म्ड फोर्सेज को और सशक्त बनाने की कोशिशें जारी हैं। मिसाइल, ड्रोन, फाइटर जेट के साथ ही स्वदेशी तकनीक से एयर डिफेंस सिस्टम डेवलप किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने भारत की सैन्य ताकत देखी। ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल से लेकर आकाश मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने अपनी ताकत दिखाई। भारत डिफेंस सेक्टर में नए सिरे से मील का पत्?थर रखने की दहलीज पर खड़ा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएएल तमाम तरह की लेट लतीफी के बाद सितंबर में दो तेजस मार्क-1ए फाइटर जेट की डिलीवरी कर सकता है। यह देसी 'राफेल' ब्रह्मोस मिसाइल से लैस होगा। बता दें सरकार ने एचएएल को तेजस फाइटर जेट के लिए कुल मिलाकर 1.15 लाख करोड़ रुपए का ठेका दिया है। देश में स्वदेशी रक्षा उत्पादन को नई गति मिलने जा रही है। रक्षा सचिव आरके सिंह ने कहा कि एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) अगले महीने भारतीय वायुसेना को दो तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान सौंपेगी।

उन्होंने बताया कि सरकार दो विमानों की डिलीवरी के बाद 97 अतिरिक्त तेजस लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए एचएएल के साथ एक और अनुबंध करने जा रही है। उन्होंने कहा कि संभावना है कि सितंबर के अंत तक दो तेजस विमान वेपन इंटीग्रेशन के साथ एयरफोर्स को मिल जाएंगे। बता दें मौजूदा समय में इंडियन एयरफोर्स के पास 38 तेजस लड़ाकू विमान सेवा में हैं, जबकि 80 से ज्यादा का काम जारी है। फरवरी 2021 में रक्षा मंत्रालय ने 83 तेजस एमके-1ए विमानों की खरीद के लिए एचएएल के साथ 48 हजार करोड़ का करार किया था। हालांकि इन विमानों की डिलीवरी में देरी हो रही है, क्योंकि अमेरिकी रक्षा कंपनी जीई एयरोस्पेस ने इंजन सप्लाई के कई डेडलाइन को चूक दिया है। पिछले सप्ताह केंद्र सरकार ने करीब 67 हजार करोड़ रुपए की लागत से 97 अतिरिक्त तेजस विमानों की खरीद को मंजूरी दी थी। इस पर रक्षा सचिव ने कहा कि एचएएल को साफ कर दिया है कि यह करार तभी साइन होगा जब एचएएल दो तेजस विमानों को संपूर्ण पैकेज के साथ सौंप देगा।

डिफेंस सेक्रेट्री ने भरोसा जताया कि आने वाले सालों में तेजस भारतीय वायुसेना की रीढ़ बनेगा। उन्होंने कहा कि एचएएल के पास अब चार से पांच साल का ऑर्डर बुक रहेगा। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि वे इस प्लेटफॉर्म को परफेक्ट करेंगे, इसमें रडार और भारतीय हथियारों का एकीकरण करेंगे ताकि यह सुखोई के

साथ मिलकर वायुसेना का मुख्य आधार बन सके। रक्षा सचिव ने कहा कि वर्तमान में स्क्वाड्रन की संख्या 31 है, जबकि अधिकृत ताकत 42 स्क्वाड्रन की है। इसको पाटने के लिए हमें अन्य विकल्प भी तलाशने होंगे। तेजस एक सिंगल-इंजन, मल्टी-रोल फाइटर जेट है, जिसे वायु रक्षा, समुद्री टोही और स्ट्राइक मिशनों के लिए डिजाइन किया गया है। इसे वायुसेना के पुराने हो चुके मिग-21 विमानों की जगह लेने के लिए विकसित किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान की अदालत ने इमरान खान के भांजे शाहरेज को भेजा जेल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के भांजे शाहरेज खान को नौ मई दंगों से जुड़े मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा है। शाहरेज पर सेना अधिकारी के घर पर हमले का आरोप है। उनका कहना है कि वे उस दिन चितरल में थे और यह राजनीतिक साजिश है। अदालत ने पुलिस की 30 दिन की रिमांड की मांग ठुकरा दी। मानवाधिकार संगठनों ने गिरफ्तारी को राजनीतिक प्रतिशोध बताया है।

डिमेंशिया से पीड़ित राल्फ लेरॉय मेंज़ीज़ की फायरिंग स्क्वाड से होने वाली फांसी पर लगी रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के यूटा में सुप्रीम कोर्ट ने डिमेंशिया से पीड़ित राल्फ लेरॉय मेंजीज़ की फायरिंग स्क्वाड से होने वाली फांसी पर रोक लगा दी है। 67 वर्षीय मेंजीज़ को 1986 में मौरीन हंसाकर की हत्या के लिए 5 सितंबर को फांसी दी जानी थी। उनके वकीलों ने तर्क दिया कि मेंजीज़ डिमेंशिया के कारण अपनी सजा को समझने में असमर्थ हैं और शारीरिक रूप से भी बेहद कमजोर हैं। 2019 में, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने भी मानसिक बीमारी से पीड़ित दोषियों की फांसी को अमानवीय बताते हुए रोका था। हंसाकर का शव अगवा होने के दो दिन बाद एक जंगल में मिला था।

90 फीसदी से अधिक अफगान लड़कियों की शिक्षा के समर्थक

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के एक सर्वे में खुलासा हुआ है कि 90 फीसदी से अधिक अफगान लोग लड़कियों की शिक्षा का समर्थन करते हैं, जबकि तालिबान अब भी माध्यमिक और उच्च शिक्षा पर प्रतिबंध लगाए हुए है। रिपोर्ट 2,000 लोगों की राय पर आधारित है। यूएन महिला विभाग की सोफिया कॉलटॉर्प ने कहा कि अफगान परिवार अपनी बेटियों की पढ़ाई को लेकर दृढ़ हैं, पर प्रतिबंध मानसिक और स्वास्थ्य संकट बढ़ा रहे हैं। 97 फीसदी महिलाओं ने रोजगार प्रतिबंधों को विनाशकारी बताया। डब्ल्यूएचओ ने चेताया कि 22 मिलियन लोग मदद के मोहताज हैं, लेकिन जरूरी फंडिंग का केवल 24फीसदी ही मिला है।

कॉमिक-कॉन अफ्रीका : अंतरराष्ट्रीय सितारों के बीच कॉमिक बुक प्रेमी और कॉस्प्लेयर

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में छठे कॉमिक-कॉन अफ्रीका का आयोजन हुआ। यहां हजारों कॉमिक बुक प्रेमी और कॉस्प्लेयर पहुंचे। चार दिवसीय उत्सव के दौरान एनीमे, गेमिंग, कॉमिक्स और कॉस्प्ले से जुड़ी चीजों को प्रदर्शित किया गया। इसमें आर्केड गेम्स, ई-स्पोर्ट्स और कॉस्ट्यूम जैसी प्रतियोगिताएं भी शामिल रहीं। आयोजन निदेशक कार्ला मासमैन के अनुसार, रविवार तक 70,000 दर्शक पहुंचे। विविधता और एकता के प्रतीक इस आयोजन में जेसी टी. अशर, डैन फोगलर और मिशा कॉलिन्स जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारे भी शरीक हुए। प्रशंसकों को पसंदीदा पात्रों की पोशाक पहनकर तस्वीरें खिंचवाते देखा गया। लोग एक-दूसरे के रचनात्मक कौशल की सराहना करते भी दिखे। दरअसल, यह आयोजन इसलिए चर्चा में रहा क्योंकि आमतौर पर कॉमिक-कॉन अफ्रीका सितंबर के अंत में आयोजित किया जाता है। हालांकि, इस साल जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के कारण इसे अगस्त में ही कर दिया गया। बता दें कि इस वर्ष के अंत में जोहान्सबर्ग में ही जी20 देशों के राष्ट्राध्यक्षों का सम्मेलन आयोजित किया जाना है।

इस्राइल उत्तरी गाजा में मदद भेजना बंद कर सकता है

सैन्य आक्रमण बढ़ने के बीच इन विकल्पों पर मंथन

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल जल्द ही उत्तरी गाजा में मानवीय सहायता को रोक देगा या उसे धीमा कर देगा। एक अधिकारी ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि इस्राइल ऐसा इसलिए कर सकता है, क्योंकि वह हमास के खिलाफ अपने सैन्य अभियान का विस्तार कर रहा है। यह जानकारी ऐसे समय में सामने आई है, जब एक दिन पहले ही गाजा सिटी को आधकारिक रूप से युद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। इस फैसले से इस्राइल सरकार की आलोचना और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि लगभग 23 महीने से जारी युद्ध में गाजा के लोगों और वहां बचे इस्राइली बंधकों की स्थिति को लेकर देश-विदेश में नाराजगी तेज हो रही है।

आने वाले दिनों में सहायता ट्रकों की संख्या घटाएगा इस्राइल

एक इस्राइली अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बात की। उन्होंने बताया कि इस्राइल आने वाले दिनों में गाजा सिटी पर हवाई हमले बंद कर देगा और सहायता ट्रकों की संख्या घटा दी जाएगी। इसके साथ ही लाखों लोगों को दक्षिणी गाजा की ओर ले जाने की तैयारी हो रही है।

इस्राइल ने गाजा सिटी को बताया हमास का गढ़

इस्राइल ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को सहायता पहुंचाने के लिए दिन में लड़ाई रोक दी थी। इस्राइल ने गाजा सिटी को हमास का गढ़ बताते हुए दावा किया कि वहां अब भी भूमिगत सुरंगों का नेटवर्क सक्रिय है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र और उसके सहयोगियों का कहना है कि इस्राइल की ये राहत व्यवस्था गाजा के लिए रोजाना जरूरी 600 ट्रकों की तुलना में बेहद कम है।

एक और बंधक के अवशेष मिले

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि शुक्रवार को गाजा में एक और बंधक के अवशेष मिले हैं। यह अवशेष इदान शितवी के हैं। कार्यालय के अनुसार, सात अक्तूबर 2023 को हमास के हमले के बाद इदान का नोवा संगीत समारोह से अपहरण कर लिया गया था। 250 से ज्यादा बंधकों में से अब 48 ही गाजा में बचे हैं। इस्राइल का मानना है कि इनमें से 20 जिंदा हैं। बंधकों के परिजनों को डर है कि सैन्य कार्रवाई बढ़ने से उनकी जान और खतरे में पड़ सकती है। शनिवार को उन्होंने एक बार फिर तेल अवीव में युद्धविराम की मांग करते हुए प्रदर्शन किया।

बड़े पैमाने पर विस्थापन की आशंका

हाल के दिनों में, इस्राइली सेना ने गाजा सिटी के बाहरी इलाकों पर हमले तेज किए हैं, जहां हाल ही में वैश्विक खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने अकाल की स्थिति घोषित की थी। शनिवार तक कई दिनों से गाजा में कोई हवाई आपूर्ति नहीं हुई थी। यह एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि इससे पहले लगभग रोजाना कुछ न कुछ राहत गिराई जाती थी। अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस की अध्यक्ष मिर्जाना स्पोल्जारिक ने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर लोगों को गाजा सिटी से निकालना असंभव है, क्योंकि बुनियादी ढांचा तबाह हो चुका है और खाना, पानी, दवा, आश्रय हर चीज की भारी कमी है।

83 की उम्र में 23 साल के लड़के से प्यार, दादी की प्रेम कहानी जानकर रह जाएंगे हैरान

टोक्यो, एजेंसी। प्यार कब और किससे हो जाए, कोई नहीं जानता। कहा जाता है कि प्यार अक्सर तब होता है जब उसकी उम्मीद सबसे कम होती है, और कभी-कभी पूरी तरह असंभव तरीके से। जापान में 23 वर्षीय विश्वविद्यालय के छात्र कोफू और 83 वर्षीय आइको के बीच के रोमांस ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। 60 साल के उम्र के अंतर के बावजूद, उनकी प्रेम कहानी पूरे शहर में चर्चा का विषय बन गई है। बताया जाता है कि मात्र पांच महीनों में ही उनका रिश्ता बहुत मजबूत हो गया है।

आइको और कोफू कौन हैं?

1942 में ओसाका में जन्मी आइको दो बार विवाह कर चुकी हैं। वह एक बेटे और एक बेटी की मां, पांच बच्चों की दादी और एक खूबसूरत वनस्पति उद्यान की मालकिन हैं, जो उनकी बागवानी के वर्षों के अनुभव का नतीजा है। उम्र के बावजूद वह सक्रिय, सुडौल और ऊर्जावान बनी हुई हैं। वह अपनी जवानी को बनाए रखने का श्रेय अपने रोजाना के व्यायाम को देती हैं। वहीं, कोफू अभी युवावस्था के शुरुआती दौर में है और ग्रेजुएशन कर रहा है। वह मानता हैं कि उसे हमेशा से बड़ी उम्र की महिलाओं की ओर आकर्षण रहा है, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे अपने से छह दशक बड़ी महिला के प्यार में पड़ जाएगा।

आइको और कोफू की मुलाकात कैसे हुई?: कोफू, आइको की पोती का सहपाठी है। वह उसके घर आया और तुरंत आइको से प्रभावित हो गया। शुरू में दोनों अपनी भावनाओं को व्यक्त करने से हिचक रहे थे, क्योंकि उन्हें इस बात का अहसास था कि उनका रिश्ता कितना असामान्य लग सकता है। लेकिन हर मुलाकात के साथ वे एक-दूसरे के करीब आते गए, और धीरे-धीरे एक अनकही दोस्ती बन गई। इसके बाद आइको की पोती ने डिज्नीलैंड की यात्रा की योजना बनाई। इसी दौरान वह पल आया जिसने दोनों की दुनिया बदल दी। कोफू ने अपनी भावनाओं को साझा किया। आइको उसकी स्पष्टवादिता से प्रभावित हुई और दोनों ने प्यार को फिर से तलाशने के लिए विश्वास की छलांग लगाने का फैसला किया।

गुप्त रोमांस से पारिवारिक स्वीकृति तक : शुरुआत में इस जोड़े ने अपने रिश्ते को गुप्त रखा, क्योंकि वे नहीं जानते थे कि लोग क्या कहेंगे। लेकिन जब सच्चाई सामने आई, तो उनके परिवारों ने उनका साथ देकर उन्हें हैरान कर दिया। तब से कोफू और आइको ने न केवल पांच महीने साथ बिताए हैं, बल्कि एक-दूसरे के साथ रहने भी लगे हैं। संयोगवश दोनों की शादी की सालगिरह वैलेंटाइन डे के दिन पड़ती है।

जनता की प्रतिक्रिया क्या रही?

सोशल मीडिया पर दोनों की लव स्टोरी ने बहस छेड़ दी है। कुछ लोग आश्चर्य और अविश्वास जता रहे हैं, और मजाक करते हुए कहते हैं कि वे अभी भी इस जोड़े को समझ नहीं पा रहे हैं। वहीं कई लोग इस जोड़े के साहस की तारीफ कर रहे हैं और कहते हैं कि भले ही यह रिश्ता अपरंपरागत हो, लेकिन उनकी खुशी निर्विवाद है।

तियानजिन में पीएम से मिलने के बाद रो पड़ी चीनी महिला

तियानजिन , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को चीन के तियानजिन शहर पहुंचे। वहां उनका भव्य स्वागत हुआ। पीएम मोदी की चीन यात्रा से चीनी लोग भी काफी उत्साहित दिखे। एक चीनी महिला, जिसके पति भारतीय हैं, ने पीएम मोदी से मिलने के बाद खुशी के कारण रो पड़ी। महिला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को देखकर वह खुशी से अभिभूत हो गई। उसने कहा कि मुझे भारत से प्यार है... मुझे प्रधानमंत्री मोदी से प्यार है।

बता दें कि तियानजिन के बिनहाई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत के बाद प्रधानमंत्री मोदी होटल पहुंचे और वहां सांस्कृतिक कार्यक्रम देखे। महिला ने कहा कि हम प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के लिए यहां आकर बहुत खुश हैं। इनमें पारंपरिक कथक और ओडिसी नृत्य शामिल थे। ओडिसी नृत्यांगना झांग जिंगहुई ने प्रधानमंत्री मोदी के लिए प्रदर्शन करने के सम्मान के बारे में बताया। उसने कहा कि मुझे थोड़ी घबराहट हुई, लेकिन यह मेरे और मेरी टीम के लिए बहुत सम्मान की बात है। मैंने 13 साल से अधिक समय तक ओडिसी सीखी है। हमने दो महीने तक इसका अभ्यास किया और प्रस्तुति दी।

वहीं, चीनी कथक नृत्यांगना डू जुआन ने कहा कि पीएम मोदी के सम्मान में नृत्य करना अविस्मरणीय था। जुआन ने कहा कि मैं मोदी जी के लिए नृत्य करने को लेकर बहुत उत्साहित थी। यह जीवन भर का एक अविस्मरणीय अनुभव था। मुझे बहुत आनंद आया। एक अन्य भारतीय शास्त्रीय तबला वादक झुआंग जिंग ने कहा कि यह बहुत रोमांचक था। मुझे लगता है कि हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की फ्लाइट के शौचालय में आई समस्या

बोतल में पेशाब करने के लिए मजबूर हुए यात्री

ब्रिसबेन, एजेंसी। वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की एक फ्लाइट से अजीबोगरीब खबर सामने आ रही है। जहां यात्रियों को यात्रा के दौरान शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ा, जब टॉयलेट खराब हो जाने के कारण उन्हें बोतलों में पेशाब करनी पड़ी। यह घटना पिछले हफ्ते बाली (इंडोनेशिया) से ब्रिसबेन (ऑस्ट्रेलिया) आ रही फ्लाइट में हुई। यह फ्लाइट बोइंग 737 मैक्स 8 विमान से संचालित हो रही थी और गुरुवार दोपहर डेनपसार से रवाना हुई थी। उड़ान के समय एक पिछला टॉयलेट पहले से ही मरम्मत के चलते बंद था। लेकिन यात्रा के दौरान बाकी टॉयलेट भी खराब हो गए, जिससे यात्रियों को 6 घंटे की उड़ान में टॉयलेट की सुविधा नहीं मिली।

यात्रियों ने बताया अपना अनुभव : विमान में हुए इस कृत्य के बारे में यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान एक यात्री ने कहा कि आखिरी तीन घंटे बेहद मुश्किल भरे थे। कुछ लोगों को बोतल में पेशाब करना पड़ा, तो कई यात्री बदबू और असहजता से परेशान दिखे।

बुदुर्ग महिला को करना पर दिक्कत का सामना : यात्री ने बताया स्थिति इतनी खराब हो गई कि एक बुजुर्ग महिला के खुद को नहीं रोक पाने की वजह से वह सार्वजनिक रूप से पेशाब कर बैठीं, जिससे उन्हें शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। वहीं एक यात्री ने बताया कि फ्लाइट के बीच में ही सभी टॉयलेट काम करना बंद कर दिए। बाकी समय हमें बोतल में या फिर पहले से गंदे टॉयलेट में ही पेशाब करने को कहा गया। यह अपमानजनक और तनावपूर्ण था।

एयरलाइन ने मांगी माफी : हालांकि मामे में वर्जिन ऑस्ट्रेलिया ने माफी मांगते हुए कहा कि वे यात्रियों को हुई परेशानी के लिए खेद प्रकट करते हैं और प्रभावित लोगों को फ्लाइट क्रेडिट दिया जाएगा। एयरलाइन ने अपने स्टाफ की भी सराहना की जिन्होंने इस मुश्किल स्थिति को संभालने की कोशिश की। ऑस्ट्रेलियाई ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन ने इस घटना की आलोचना करते हुए इसे यात्रियों और क्रू के लिए गंभीर स्वास्थ्य खतरा बताया।

उड़ान के बीच बिगड़ी हालत : शुरुआत में यात्रियों को उम्मीद थी कि आगे किसी तरह काम चल जाएगा, लेकिन बीच सफर में स्थिति और बिगड़ गई। विमान के बाकी दो टॉयलेट भी खराब हो गए। नतीजा यह हुआ कि करीब छह घंटे तक यात्रियों के पास कोई वॉशरूम सुविधा नहीं रही। क्रू ने यात्रियों को बोतलें पकड़ाकर कहा कि मजबूरी में इन्हीं का इस्तेमाल करना होगा या फिर पहले से खराब पड़े टॉयलेट पर ही जाना पड़ेगा। कई यात्रियों ने मजबूरी में ऐसा किया भी।

लाहौर से मुल्तान तक तबाही, पंजाब प्रांत में 70 साल बाद आई भयानाक बाढ़, 30 की मौत और लाखों बेघर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आई भयानक बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी है। बीते 24 घंटे में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई है जबकि लाखों लोग बेघर हो गए हैं। हालात इतने बिगड़ गए कि प्रशासन को कई जगह बांध तोड़ने के लिए विस्फोटक तक इस्तेमाल करना पड़ा ताकि बड़े शहरों को बाढ़ से बचाया जा सके।

शनिवार सुबह से हो रही मूसलधार बारिश ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने दो सितंबर तक और तेज बारिश की चेतावनी दी है। पंजाब प्रांत के करीब 1,700 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। इनमें सिखों का पवित्र स्थल करतारपुर भी शामिल है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के मुताबिक, 26 जून से शुरू हुए मानसून में अब तक देशभर में 842 लोगों की जान जा चुकी है।एनडीएमए ने चिनाब, रावी और सतलुज नदियों में बाढ़ की चेतावनी जारी की है। खासकर सतलुज नदी में 1955 जैसी स्थिति बन रही है। कसूर जिले में खतरा बढ़ता जा रहा है। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने इसे सबसे भयानक बाढ़ बताया और कहा है कि मानसून का नौवां दौर दो सितंबर तक जारी रहेगा। राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है, लेकिन लगातार बारिश और नदियों के उफान से संकट और गहराता जा रहा है।

लाखों लोग बेघर, हजारों गांव डूबे

पंजाब की वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगजेब ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 30 लोगों की जान गई है। करीब 15 लाख लोग बेघर हो गए हैं। अब तक 5 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। लगभग 2,000 गांव डूब गए हैं और हजारों एकड़ फसल बर्बाद हो गई है। प्रशासन ने मंडी बहाउद्दीन, चिनीओट और झंग समेत कई इलाकों में सात जगह बांध तोड़ने के लिए विस्फोटक का इस्तेमाल किया।

नदियों का उफान और खतरा बढ़ा

जानकारी के मुताबिक, केवल चिनाब नदी से 1,169 गांव प्रभावित हुए हैं। रावी नदी से 462 गांव और सतलुज से 391 गांव डूबे हैं। पूरे प्रांत में 351 राहत व मेडिकल कैंप चलाए जा रहे हैं। लाहौर में करीब 40 साल बाद दो दर्जन कॉलोनियां पानी में डूब गईं। वहीं, मुल्तान शहर पर बाढ़ का बड़ा खतरा मंडरा रहा है क्योंकि चिनाब नदी में अगले 24 घंटे में 8 लाख क्यूसेक का पानी आने की आशंका जताई गई है।

मिस्र में यात्री ट्रेन पटरी से उतरी, तीन लोगों की मौत, 94 से ज्यादा घायल

काहिरा, एजेंसी। पश्चिमी मिस्र में शनिवार को एक यात्री ट्रेन पटरी से उतर गई, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में 94 यात्री घायल हो गए। हाल के वर्षों में मिस्र में हुई रेल दुर्घटनाओं की शृंखला में यह नवीनतम घटना है। रेलवे अधिकारियों ने एक बयान में बताया कि देश के उत्तरी तट पर स्थित पश्चिमी भूमध्यसागरीय प्रांत मतरूह से काहिरा जाते समय ट्रेन के सात डिब्बे पटरी से उतर गए, जिनमें से दो पलट गए।स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि घायलों को अस्पतालों में पहुंचाने के लिए 30 एम्बुलेंस भेजी गईं। रेलवे अधिकारियों के बयान में कहा गया है कि पटरी से उतरने के कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। मिस्र में पुरानी रेलवे प्रणाली कुप्रबंधन से ग्रस्त है, इसलिए ट्रेनों का पटरी से उतरना आम है। पिछले साल अक्तूबर में, दक्षिणी मिस्र में काहिरा जाने वाली एक यात्री ट्रेन के पिछले हिस्से में एक इंजन टकरा गया था, जिसमें कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। हाल के वर्षों में, सरकार ने रेलवे में सुधार के लिए पहल की घोषणा की है। राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी ने 2018 में कहा था कि देश के उपेक्षित रेल नेटवर्क को ठीक करने के लिए लगभग 250 बिलियन मिस्री पाउंड या 8.13 बिलियन अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता होगी।

यमन में इस्राइल ने किया हवाई हमला, हूती विद्रोही सरकार के प्रधानमंत्री अहमद अल रहावी की मौत

काहिरा, एजेंसी। इस्राइल ने एक बार फिर यमन की राजधानी सना पर हवाई हमले किया। बताया जा रहा है कि हमलों में हूती विद्रोही नियंत्रित सरकार के प्रधानमंत्री अहमद अल रहावी की मौत हो गई। साथ ही हमले में कई और मंत्रियों ने भी जान गंवा दी। हूती विद्रोहियों ने कहा कि अल-रहावी अगस्त 2024 से हूती नेतृत्व वाली सरकार के प्रधानमंत्री थे। उनको अन्य मंत्रियों के साथ सरकार की पिछले वर्ष की गतिविधियों और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए आयोजित नियमित कार्यशाला के दौरान निशाना बनाया गया। वहीं इस्राइली सेना ने कहा कि उसने यमन के सना क्षेत्र में हूती आतंकी शासन के सैन्य ठिकाने पर सटीक हमला किया।

हमला उस वक्त किया गया जब शीर्ष नेता एक अपार्टमेंट में राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित एक भाषण कार्यक्रम देख रहे थे। यमन के एक चैनल ने बताया कि हूती प्रधानमंत्री अल-रहावी अपने कई सहयोगियों के साथ एक अपार्टमेंट में थे। हमले में हूती रक्षा मंत्री मोहम्मद नासिर अल-अथिफी और चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद अब्द अल-करीम अल-गमारी के भी मारे जाने की संभावना है।

हमास के समर्थन में इस्राइल पर मिसाइल दागते रहें हैं हूती : गाजा में हमास के खिलाफ युद्ध के दौरान हूतियों ने इस्राइल पर बार-बार मिसाइलें दागी हैं। हूती विद्रोहियों का कहना है कि ये हमले फलस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए किए जा रहे हैं। हालांकि यमन की ओर से दागी गईं ज्यादातर मिसाइलें इस्राइल ने रोक लीं और हवा में ही उनके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। हूती संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय और सरकारी अधिकारियों के अनुसार इस सप्ताह के शुरू में इस्राली हमलों ने सना के कई क्षेत्रों को निशाना बनाया। इसमें कम से कम 10 लोग मारे गए और 102 अन्य घायल हो गए।

ट्रंप प्रशासन के साथ किया था समझौता

इससे पहले इस्राइल और अमेरिका ने यमन में विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों पर बमबारी की। इसमें सना और रणनीतिक तटीय शहर होदेदा भी शामिल था। इस्राइली हमलों के कारण मई में सना हवाई अड्डा सेवा से बाहर हो गया था।

ट्रम्प प्रशासन ने मई में हूतियों के साथ एक समझौते की घोषणा की थी। इसके तहत वे लाल सागर में जहाजों पर हमले बंद करने के बदले हवाई हमले बंद करेंगे। हालांकि, विद्रोहियों ने कहा कि इस समझौते में उन ठिकानों पर हमले रोकने की बात शामिल नहीं थी जो इस्राइल से संबद्ध हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत की संतोष टेक्सटाइल मिल में ड्रम फटने के बाद लगी आग, 2 की मौत, 15 से अधिक मजदूर गंभीर रूप से झुलसे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

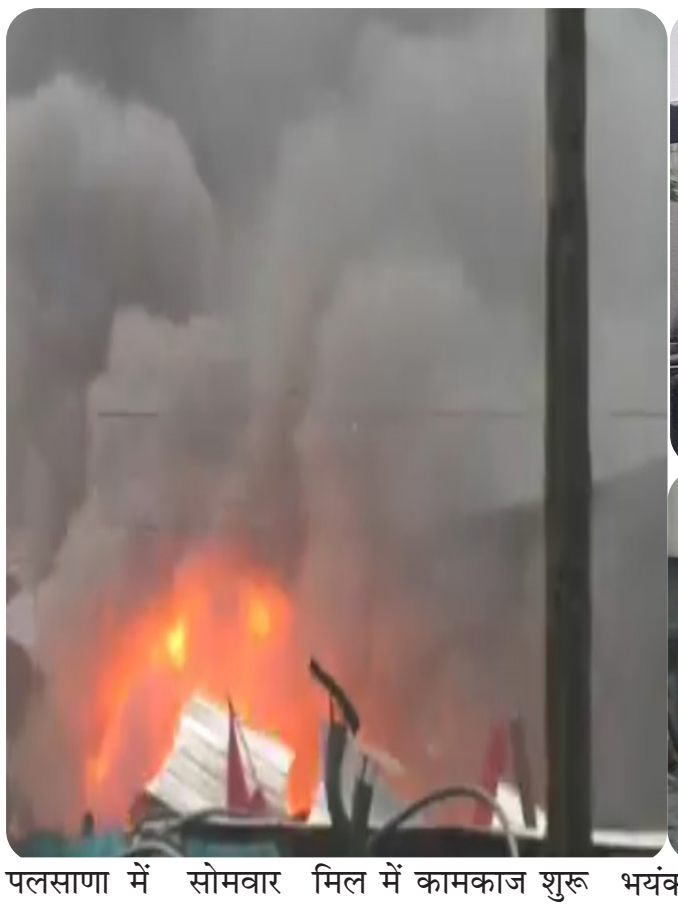

सूरत के पलसाणा में संतोष टेक्सटाइल मिल में बॉयलर का ड्रम फटने से अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई और 15 से अधिक मजदूर झुलस गए हैं। पूरी घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के पलसाणा में सोमवार (1 सितंबर) शाम के समय संतोष टेक्सटाइल नाम की मिल में कामकाज शुरू होने के दौरान बॉयलर का ड्रम फट गया। जिसके चलते मिल में भयंकर आग लग गई। इस हादसे में मिल में मौजूद श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गए। घटना की सूचना पाकर सूरत महानगर पालिका बारडोली फायर विभाग और 8 से 10 फायर फाइटर्स की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का काम शुरू किया। वहीं, मिल में फंसे मजदूरों को पुलिस और अन्य लोगों की मदद से बाहर निकालने का अभियान चलाया गया। हादसे को लेकर पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है।

ओडिशा से सूरत में गांजा सप्लाई करने की साजिश नाकाम

वाहन बदलकर पहुंचे, कमीशन के लालच में 17 किलो गांजा मंगवाने वाला युवक फरार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा का गांजा माफिया ओडिशा के टैक्सी ड्राइवर को कमीशन का लालच देकर फुसला लाया और उसके साथ 1.70 लाख रुपये की कीमत का 17 किलो गांजा मंगवाया था। लेकिन युवक सहारा दरवाजा मिलने का कहकर कडोदरा चौराहे पर उतर गया। इससे पहले कि वह सहारा दरवाजा पहुंच पाता, पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

सारोली पुलिस ने गुप्त जानकारी के आधार पर कडोदरा-सूरत रोड पर साबरगाम, अंबाबा कॉलेज के पास निगरानी रखी थी। सूचना थी कि एक शख्स गांजे के जखीरे के साथ नंदुरबार से आने वाली बस में आया है और वह साबरगाम से पैदल गुजरने वाला है। इंस्पेक्टर एस.आर. वेकरिया और उनकी टीम ने घेराबंदी की और बताए गए हुलिए वाला शख्स बोरे के साथ गुजरता मिला तो उसे हिरासत में ले लिया।

अनिल और पिंटू गांजाम से भुवनेश्वर तक बस से पहुंचे थे। यहां से सीधे ट्रेन से सूरत आने के बजाय वे नंदुरबार उतर गए। नंदुरबार से दोनों सूरत आने वाली बस में बैठे। कडोदरा चौराहे के पास पिंटू सहारा दरवाजा मिलने का कहकर भाग गया। पुलिस ने पिंटू बिसोई और ओडिशा के गांजा कारोबारी मुन्ना बेहेरा को वॉन्टेड घोषित किया है।

ओडिशा के गांजाम जिले के शेरगढ़ तालुका के बीचीकोली गांव निवासी अनिल करुणाकर बेहेरा (उम्र 33) के पास से बरामद बोरे से 17 किलो गांजा मिला, जिसके बाद उसकी गिरफ्तारी हुई। अनिल ने बताया कि वह ओडिशा में टैक्सी चलाता था। तीन साल पहले उसके साथ टैक्सी चलाने वाला और अब सूरत के पांडेसरा में रहने वाला पिंटू बिसोई पंद्रह दिन पहले उससे मिला था। उसने कहा कि वह पांडेसरा में गांजा माफियाओं को पहचानता है और यदि वह गांजा लाएगा तो कमीशन मिलेगा। इसी लालच में अनिल अपने गांव के मुन्ना निरव बेहेरा से गांजा लेकर आया था।

एमपी के डिप्टी सीएम होने का धौंस जमाने वाला युवक गिरफ्तार

शताब्दी एक्सप्रेस में बिना टिकट पकड़े गए यात्री को छुड़ाने के लिए राजेंद्र शुक्ला के नाम से RPF अधिकारी को दी धमकी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मध्यप्रदेश के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला के नाम पर फर्जी कॉल कर रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (RPF) अधिकारी को धमकाने वाले 21 वर्षीय युवक को पकड़ लिया गया है। आरोपी ने खुद को डिप्टी सीएम बताकर बिना टिकट यात्रा कर रहे व्यक्ति को छोड़ने की कोशिश की थी। मामला सामने आने के बाद रेलवे पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 204 और 319(2) तथा आईटी एक्ट की धारा 66D के तहत एफआईआर दर्ज की है।

जानकारी के मुताबिक, RPF सूरत के ड्यूटी अधिकारी सब-इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह को एक अज्ञात नंबर से फोन आया था। कॉलर ने खुद को मध्यप्रदेश का डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला बताया और कहा कि उनका एक परिचित रंजीत यादव सूरत स्टेशन पर बिना टिकट पकड़ा गया है, उसे तुरंत छोड़ दिया जाए।

सब-इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह ने तुरंत CTI (चीफ टिकट इंस्पेक्टर) ऑफिस में जाकर जांच की। वहां पता चला कि रंजीत यादव नामक व्यक्ति को वास्तव में बिना टिकट पकड़ा गया था और उसका चालान काटा गया था। अधिकारी ने आरोपी के नंबर पर वापस कॉल करके यह जानकारी दी, लेकिन नकली डिप्टी सीएम ने अधिकारी को धमकाते हुए कहा - डिप्टी सीएम के परिचित की रसीद कैसे बनी? आप एक आदमी को भी संभाल नहीं सकते?

जब अधिकारी ने परिचित का मोबाइल नंबर मांगा तो आरोपी ने नंबर दे दिया। उस नंबर पर संपर्क करने पर व्यक्ति ने खुद को रंजीत यादव बताया और डिप्टी सीएम का परिचित होने का दावा किया। 30 अगस्त को RPF ने रंजीत यादव को सूरत ऑफिस में बुलाया और सख्त पूछताछ की। पूछताछ में उसने अपना पूरा नाम रंजीत मित्तुलाल यादव (उम्र 21, निवासी सिंगपुर, रघुराज नगर, जिला सतना, मध्यप्रदेश) बताया। खुलासा हुआ कि वही युवक डिप्टी सीएम बनकर फोन कर रहा था।

आरोपी खुद को डिप्टी सीएम का परिचित बताकर फायदा उठाना चाहता था। उसके फोन की जांच में कई बड़े नेताओं और अधिकारियों के नंबर मिले, जिनमें मुख्यमंत्री, डिप्टी सीएम, मंत्री, एसपी, डीएसपी, पुलिस इंस्पेक्टर और RPF अधिकारियों के संपर्क शामिल थे। इससे साफ हुआ कि आरोपी धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े से अधिकारियों को प्रभावित करने की योजना बना रहा था। RPF ने आरोपी को तुरंत GRP सूरत को सौंप दिया। GRP ने शिकायत दर्ज कर ली है। आरोपी के फोन में मिले नंबरों की जांच की जा रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसने पहले भी ऐसे फर्जी कॉल किए थे या नहीं। यह आईटी एक्ट के तहत साइबर फ्रॉड का मामला है, जिसमें सजा का प्रावधान है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

महिला अपने पति की शराब पीने की आदत से परेशान होकर बच्चों सहित रेलवे पटरियों पर बैठ गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत रेलवे पुलिस की शी टीम और वडोदरा यूनिट की सर्वेलांस स्क्वॉड ने एक महिला और उसके दो बच्चों को आत्महत्या के प्रयास से बचा लिया। महिला अपने पति की शराब पीने की आदत से परेशान होकर बच्चों सहित रेलवे पटरियों पर बैठ गई थी। जानकारी के अनुसार, रात में सूरत रेलवे पुलिस इंस्पेक्टर एच.डी. व्यास के मार्गदर्शन में पुलिसकर्मी गश्त कर रहे थे। उसी दौरान सूचना मिली कि उधना छोर पर एक महिला दो बच्चों के साथ आत्महत्या करने बैठी है। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और महिला को समझाकर सुरक्षित सूरत रेलवे पुलिस स्टेशन ले आई।

पूछताछ में महिला ने अपना नाम 28 वर्षीय निकिता (परिवर्तित नाम) बताया, जो मूल रूप से बिहार की रहने वाली है। महिला ने बताया कि उसका पति आए दिन शराब पीकर घर आता और मारपीट करता है। जब वह उसे शराब न पीने की सलाह देती तो पति गुस्से में आ जाता। इस प्रताड़ना से परेशान होकर वह बच्चों के साथ घर से निकल गई और आत्महत्या के इरादे से सूरत रेलवे स्टेशन पहुंची थी।

पुलिस ने महिला से उसके पति का मोबाइल नंबर लिया और उसे स्टेशन बुलाया। इसके बाद दोनों पति-पत्नी की काउंसलिंग की गई। इंस्पेक्टर एच.डी. व्यास ने महिला को जीवन का महत्व समझाया और आत्महत्या न करने की सलाह दी। साथ ही पति को पत्नी के साथ अच्छा व्यवहार करने, शराब की आदत छोड़ने और बच्चों के भविष्य का ध्यान रखने की समझाइश दी।

काउंसलिंग के बाद महिला, उसके पति और बच्चों को सुरक्षित घर भेज दिया गया।

पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन में गांजा तस्करी करने वाला पकड़ा गया

सूरत रेलवे स्टेशन पर SOG ने 36 किलो गांजे के साथ एक आरोपी दबोचा, 3.70 लाख का माल जब्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन से गांजे का बड़ा जखीरा पकड़ा गया है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और 3.65 लाख कीमत का 36.525 किलो गांजा बरामद कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सूरत रेलवे NDPS डेडिकेटेड टीम और पश्चिम रेलवे वडोदरा SOG पुलिस की टीम पुरी- अहमदाबाद एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 12843) में पेट्रोलिंग कर रही थी। उधना की ओर आते समय, रिजर्वेशन कोच S/4 और S/3 के बीच, बगुमरा स्टेशन पार करने के बाद ट्रेन में एक व्यक्ति को तीन थैलियों और दो बैकपैक के साथ संदिग्ध हालत में पकड़ा गया। जांच करने पर उनमें गांजे का जखीरा मिला। पुलिस ने तुरंत आरोपी प्रतापचंद्र अर्खित गौड़ा (उम्र 27) को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी से कुल 36.525 किलो गांजा (कीमत 3,65,250), एक मोबाइल फोन और 500 नकद बरामद किए। इस तरह कुल 3,70,750 का माल जब्त किया गया। आरोपी मूल रूप से ओडिशा के गंजाम जिले का रहने वाला है और सूरत के भेस्तान इलाके में रहता है। सूरत रेलवे पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।